News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-129
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

दिमाग ठंडा हो तो फैसले गलत नहीं होते,और भाषा मीठी हो तो अपने दूर नहीं होते!

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

इंदौर, सोमवार 12 अगस्त 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

हिंडनबर्ग का आरोप : सेबी चीफ ने किया आरोपों का खंडन, बोलीं- हमारी जिंदगी खुली किताब

माधबी बुच की उसी विदेशी फंड में हिस्सेदारी, जिसमें अडाणी का निवेश

मुंबई। अदानी ग्रुप के खिलाफ रिपोर्ट जारी करने वाली हिंडनबर्ग रिसर्च ने अब बाजार नियामक सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच पर आरोप लगाया है। अमेरिकी शॉर्ट सेलर फंड हिंडनबर्ग ने शनिवार को व्हिसलब्लोअर दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा कि सेबी की चेयरपर्सन और उनके पति धवल बुच की उन ऑफशोर कंपनियों में हिस्सेदारी रही है, जो अदानी समूह की वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ी हुई थीं। उधर, बुच दंपती ने शनिवार देर रात बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि हमारी जिंदगी और हमारे फाइनेंस खुली किताब हैं। अमेरिकी कंपनी हिंडनबर्ग ने शनिवार को सिक्योरिटी

एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) की चेयरपर्सन पर गंभीर आरोप लगाए। हिंडनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच की अडाणी ग्रुप से जुड़ी ऑफशोर कंपनी में हिस्सेदारी है। बुच ने इन आरोपों को निराधार और चरित्र हनन का प्रयास बताया है। रएइक चेयरपर्सन ने सभी फाइनेंशियल रिकॉर्ड डिक्लेयर करने की इच्छा व्यक्त की। अपने पति धवल बुच के साथ एक जॉइंट स्टेटमेंट में उन्होंने कहा, हमारा जीवन और फाइनेंसेस एक खुली किताब है। पिछले साल अडाणी ग्रुप पर वित्तीय अनियमितता के आरोप लगाकर हिंडनबर्ग रिसर्च चर्चा में आई थी। व्हिसलब्लोअर दस्तावेजों के आधार पर हिंडनबर्ग ने दावा किया कि बुच और उनके पति की मॉरीशस की ऑफशोर कंपनी ग्लोबल डायनामिक अपॉर्च्युनिटी फंड में हिस्सेदारी है। हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया है कि ग्लोबल डायनामिक अपॉर्च्युनिटी फंड में कथित तौर पर अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी के भाई विनोद अडाणी ने अरबों डॉलर निवेश किए हैं।

राहुल गांधी बोले- शेयर बाजार में रिस्क, क्योंकि सेबी समझौता कर चुकी

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हिंडनबर्ग की ताजा रिपोर्ट के बाद अडाणी समूह पर एक बार फिर गंभीर आरोप लगाए। हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपनी ताजा रिपोर्ट में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। दोनों के अडाणी ग्रुप की ऑफशोर कंपनियों से जुड़े होने का दावा किया जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय स्टॉक मार्केट में एक बड़ा जोखिम है, क्योंकि इसे नियंत्रित करने वाली संस्थाएं समझौता कर चुकी हैं। आखिर सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने अब तक इस्तीफा क्यों नहीं दिया?

जलवायु का असर होगा कम, कृषि उत्पादकता और किसानों की आय को बढ़ाना है उद्देश्य

पीएम मोदी ने जारी की उच्च उपज वाली फसलों की 109 किस्में

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में फसलों की 109 उच्च उपज वाली, जलवायु अनुकूल एवं जैव-सुदृढ़ किस्में जारी कीं। पीएम मोदी ने इस कार्यक्रम के दौरान किसानों और वैज्ञानिकों से भी बातचीत की। इस पहल का उद्देश्य कृषि उत्पादकता और किसानों की आय को बढ़ाना है। इन किस्मों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने विकसित किया है और ये कुल 61 फसलों से संबंधित हैं। इनमें 34 खेतों में लगाई जाने वाली और 27 बागवानी की फसलें हैं। मोदी ने दिल्ली के पूसा परिसर में तीन प्रायोगिक कृषि भूखंडों पर बीजों को पेश किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने किसानों और वैज्ञानिकों के साथ बातचीत भी की। जारी की जाने वाली 61 फसलों की 109 किस्मों में 34 खेत की फसलें और 27 बागवानी फसलें शामिल हैं। खेत की फसलों में बाजरा, चारा फसलें, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास, फाइबर और अन्य संभावित फसलों सहित विभिन्न अनाज के बीज जारी किए गए। वहीं, बागवानी फसलों में फलों,

सब्जियों, बागानों, कंद फसलों, मसालों, फूलों और औषधीय फसलों की विभिन्न किस्में भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी वर्ष 2014 से ही किसानों की आय बढ़ाने के लिए टिकाऊ खेती के तरीकों और जलवायु अनुकूल तरीकों की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने लगातार 'जैव-सुदृढ़' किस्मों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है और कुपोषण से निपटने के लिए उन्हें मध्याह्न भोजन योजना और आंगनवाड़ी सेवाओं जैसी सरकारी पहलों से जोड़ा है। बता दें कि भारत सरकार पहले से ही पर्यावरण की चिंता के साथ हरित और टिकाऊ कृषि और अच्छी कृषि प्रथाओं के माध्यम से हरित कृषि को बढ़ावा दे रही है। यह राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन (एनएमएसए) को लागू कर रहा है जो जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) के तहत राष्ट्रीय मिशनों में से एक है। एनएमएसए का उद्देश्य भारतीय कृषि को बदलती जलवायु के प्रति अधिक लचीला बनाने के लिए रणनीतियों को विकसित और लागू करना है। इसके अलावा, सरकार ने बजट 2023-24 में धरती माता के पुनरुद्धार, जागरूकता, पोषण और सुधार के लिए प्रधानमंत्री कार्यक्रम (पीएम-प्रणाम) योजना की भी घोषणा की है, जिसका उद्देश्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग और रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करना है।

गुना में एविएशन एकेडमी का टू सीटर प्लेन क्रैश

गुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले में एयर स्ट्रिप पर टू सीटर प्लेन क्रैश हो गया। दुर्घटनाग्रस्त प्लेन एविएशन ट्रेनिंग इंटीट्यूट का बताया जा रहा है, हादसे में दो पायलट घायल हुए हैं। हादसे की सूचना पर कैंट पुलिस समेत अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। इंजन के फेल होने के कारण हादसा की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार कर्नाटक के बेलगावी एविएशन ट्रेनिंग इंटीट्यूट के एयरक्राफ्ट 152 ने रविवार दोपहर करीब एक बजे टेस्टिंग के लिए उड़ान भरी थी। कैप्टन वी चंद्र ठाकुर और पायलट नागेश कुमार करीब 40 मिनट तक एयरक्राफ्ट को उड़ाते रहे, लेकिन फिर वह एयर स्ट्रिप पर क्रैश हो गया। हादसे में दोनों पायलट घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि बेलगावी एविएशन ट्रेनिंग इंटीट्यूट के एयरक्राफ्ट 152 को टेस्टिंग और मेंटेनेंस के लिए गुना की शा-शिब एकेडमी में लाया गया था। इसकी टेस्टिंग के लिए पायलट वी चंद्र ठाकुर और नागेश कुमार को हैदराबाद से बुलाया गया था। दोनों बीते दिन 10 अगस्त को गुना पहुंचे थे। रविवार को टेस्टिंग के लिए एयरक्राफ्ट ने उड़ान भरी, लेकिन 40 मिनट बाद वह क्रैश हो गया। कैंट थाना प्रभारी दिलीप राजौरिया हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि दोनों घायल पायलटों को इलाज के संजीवनी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। एक पायलट पूरी तरह ठीक है। दूसरे को सिर में चोट लगी है। उसे निजी अस्पताल में शिफ्ट किया है। सिर में टांके भी लगाए जा सकते हैं। दुर्घटना कैसे हुई है, इसकी शा-शिब एकेडमी द्वारा जांच की जा रही है।

सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में भगदड़ 8 श्रद्धालुओं की मौत

बिहार के जहानाबाद में सावन के चौथे सोमवार को बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में बड़ा हादसा हो गया। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई, करीब 50 लोग जख्मी हैं। सभी घायलों को जहानाबाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा उस वक्त हुआ जब रविवार आधी रात को बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में जलाभिषेक के लिए इकट्ठा हुए थे। रात 1.30 बजे जैसे ही मंदिर के गेट खोले गए। भीड़ बढ़ने से धक्का-मुक्की शुरू हो गई, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई और लोग एक-दूसरे को कुचलते हुए निकल गए। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि सभी घायलों को जहानाबाद सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। हादसे के बाद मंदिर परिसर में अफरातफरी मच गई। एसडीओ विकास कुमार ने कहा कि जल्द ही इस घटना के बारे में आधिकारिक बयान जारी करेंगे। रविवार रात को मंदिर में भीड़ ज्यादा होती है। सिविल, मजिस्ट्रेट, मेडिकल टीमें मंदिर में

तैनात की गई थी। हादसा कैसे हुआ, जांच के बाद ही साफ हो पाएगा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, भीड़ में धक्का-मुक्की के कारण भगदड़ मची, जिससे कई लोग एक-दूसरे पर गिर गए और दम घुटने से उनकी मौत हो गई। कुछ लोगों ने आरोप लगाया है कि प्रशासन की ओर से लाठीचार्ज किए जाने के कारण भगदड़ की स्थिति और गंभीर हो गई। उधर, प्रशासन ने मंदिर में भगदड़ की जांच के आदेश दिए हैं और कहा है कि हादसे के कारणों का पता लगाकर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। इस हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है, और प्रशासन ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है।

बासी मीट पर विवाद में युवक को चाकू मारा भीड़ ने लगा दी दुकान में आग

आगर मालवा। मध्य प्रदेश के आगर मालवा जिले में दो समुदाय के बीच बासी मीट खरीदने की बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि विशेष वर्ग के दुकानदार ने दूसरे पक्ष के युवक पर चाकू से हमला कर दिया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक के घायल होने की सूचना पर आसपास के ग्रामीण जमा हो गए। इस दौरान दोनों समुदाय के बीच संघर्ष भी हुआ। सांप्रदायिक संघर्ष की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। हालात बेकाबू होता देख जिले के सभी थानों की पुलिस फोर्स बुलाया गया।घायल हिंदू युवक का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने विशेष वर्ग की दुकान में आग लगा दी। पुलिस स्थिति को नियंत्रण करने में जुटी है। आगर मालवा जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम गंगापुर में बकरे के बासी मीट को लेकर विशेष वर्ग के दुकानदार और हिंदू ग्राहक के बीच जमकर विवाद हुआ है।

शाहरुख खान ने बुजुर्ग को दिया धक्का, फैंस ने किया बचाव

सोशल मीडिया पर होने लगी वीडियो डिलीट करने की मांग

मुंबई। शाहरुख खान को 77वें लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड करियर लेपर्ड अवार्ड से नवाजा गया। इस फिल्म फेस्टिवल का एक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो के साथ दावा किया जा रहा है कि शाहरुख खान ने रेड कार्पेट पर एक बुजुर्ग आदमी को धक्का दिया है। हालांकि, वीडियो देखकर शाहरुख के फैंस उनका बचाव कर रहे हैं। वहीं, कुछ सोशल मीडिया यूजर्स शाहरुख के इस बर्ताव को लेकर नारजगी भी जाहिर कर रहे हैं। शाहरुख का जो वीडियो वायरल हो रहा है उसमें शाहरुख को रेड कार्पेट पर अकेले पोज करते देखा जा सकता है। इसी के

साथ फ्रेम में एक बुजुर्ग आदमी भी नजर आ रहा है। बुजुर्ग आदमी फोटोग्राफर्स की साइड खड़े नजर आ रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि शाहरुख खान उस बुजुर्ग आदमी की ओर बढ़ते हैं और उन्हें अपने दोनों हाथों से पीछे की ओर हटाकर फ्रेम से बाहर करते हैं। इस वीडियो पर शाहरुख खान के फैंस तो उनका बचाव कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा कि वो (बुजुर्ग आदमी) उनके पुराने दोस्त हैं। अब नेगेटिविटी फैलाओ। वहीं, एक दूसरे यूजर ने लिखा चलो पहले पूरा वीडियो दिखाओ फिर जज करना। वीडियो पर बहुत से लोगों ने कमेंट किया है कि वो बुजुर्ग आदमी शाहरुख खान के दोस्त हैं। कुछ यूजर्स तो शाहरुख खान की ये वीडियो डिलीट करने की मांग भी कर रहे हैं। लोगों ने शाहरुख खान के बर्ताव पर जताई नाराजगी हालांकि, कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने शाहरुख खान के इस बर्ताव पर नाराजगी जाहिर की है। एक एक्स यूजर ने लिखा कि शाहरुख हमेशा से ही रूड व्यक्ति हैं, वो ऐसे बर्ताव करते हैं जैसे सबके ऊपर वही हैं। वहीं, एक दूसरे यूजर ने लिखा कि सबलोग देख लो इसकी असलियत।

सड़क हादसों में रोजाना तीन गायों की हो रही मौत

छह शहरों को जोड़ने वाले राज्य राजमार्गों पर जुलाई से अब तक 93 गायों की जा चुकी है जान, 295 घायल

भोपाल। पशुपालन विभाग के अनुसार, पिछले महीने में छह शहरों को जोड़ने वाले राज्य राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं में कम से कम 93 गायों की मौत हो गई, जबकि इन सड़क दुर्घटनाओं में घायल गायों की संख्या 295 थी। पिछले माह में सड़क दुर्घटनाओं में प्रतिदिन तीन गायों की मौत हो चुकी है। गौर करने वाली बात ये है कि यह आंकड़ा केवल भोपाल, रायसेन, विदिशा, सीहोर, देवास और राजगढ़ को कवर करने वाले राज्य राजमार्गों से संबंधित है, न कि पूरे राज्य से। बरसात के मौसम में आवारा मवेशियों की समस्या और खुले में छोड़ी गई गायों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के समाधान के लिए विभाग द्वारा राजमार्गों का चयन किया गया था। चयनित राज्य राजमार्गों पर जुलाई से घायल और मृत गायों की निगरानी और रिकॉर्डिंग के बाद, यह स्थापित किया गया कि पिछले महीने में 93 गायों की मौत हो गई और 295 गायों को सड़क दुर्घटनाओं में चोटें आईं और उन्हें उपचार दिया गया। यह कवायद 21 जून को सीएम मोहन यादव द्वारा अधिकारियों को बरसात के मौसम में आवारा मवेशियों की समस्या और किसानों द्वारा खुले में छोड़े गए मवेशियों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के समाधान के निर्देश के बाद की गई, जिससे राजमार्गों पर यातायात की समस्या भी पैदा होती है।

प्रारंभिक समाधान और भविष्य की योजना

पशुपालन और डेयरी विभाग ने बताया कि पहले चरण में इस समस्या के समाधान के लिए पांच जिलों- रायसेन, विदिशा, सीहोर, देवास और राजगढ़ को चुना गया था। टोल बूथ संचालकों और अन्य संगठनों की मदद से मवेशियों को निकटतम गौशालाओं तक पहुंचाने के लिए टोल प्रणाली से जुड़े मवेशी उठाने वाले वाहनों की व्यवस्था की गई। यह सुविधा अन्य जिलों तक बढ़ाई जाएगी। आगे बताया गया कि विभाग पशुओं को प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने के लिए एक टोल-फ्री नंबर के साथ एक मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई भी संचालित करता है।

गायों के लिए धनराशि में वृद्धि और वर्तमान स्थिति

सरकार ने 29 जून को बताया कि पिछले कुछ दिनों में राज्य में 7500 गायों को मुक्त कराया गया है और गायों को ले जा रहे 1000 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वर्ष 2019 से 2024 तक राज्य में गायों के लिए धनराशि में 26 गुना की वृद्धि देखी गई। प्रदेश में 2019 से पहले गौशालाओं में गायों को प्रतिदिन 1.5 रुपये मिलते थे। कमल नाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार, जो एक साल से थोड़ा अधिक समय तक चली, ने गायों के लिए प्रति दिन का पैसा 1.5 रुपये से बढ़ाकर 20 रुपये प्रति गाय कर दिया। निवर्तमान भाजपा सरकार ने प्रति दिन की राशि 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये प्रति दिन कर दी। मध्य प्रदेश में करीब 2 हजार गौशालाएं हैं। आवारा मवेशियों की संख्या करीब 9 लाख है।

News सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
Fastest Growing Media Network
अवश्यकता है
इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।
डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं
डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम
डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़
रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे
9755996590

सिंगल कॉलम

900 किलोमीटर बिना रुके दौड़ते हुए इंदौर पहुंचे कावंड़िए

इंदौर। यह नजारा सुपर फास्ट नान स्टॉप सीताराम डाक कावड़ यात्रा के कावड़ियों का है जो गुजरात संगम स्थल से जल भरकर 900 किलोमीटर बिना रुके दिन-रात दौड़ते हुए 70 घंटे में कावड़ लेकर इंदौर पहुंचे। यहां इंदौर में रामेश्वर महादेव का समुद्र तट के जल से अभिषेक किया। यह यात्रा गुजरात के समुद्र तट का जल लेकर द्वारकाधीश मंदिर से रात्रि 8ः30 बजे दौड़ते हुए शुरू हुई थी। इसमें 200 से ज्यादा कावड़िए बारी- बारी से कावड़ लेकर बिना रुके दौड़ लगाते हुए विभिन्न राज्यों के शहरों से गुजरे। महंत रामजी बाबा के सानिध्य में 70 घंटे के अंदर करीब 900 किलोमीटर की यात्रा इंदौर के कावड़ियों ने डाक कावड़ यात्रा के दौरान पूरी की। भोले की भक्ति में डूबे कावड़िए दिन-रात दौड़ते हुए कावड़ लेकर सफर हंसते मुस्कुराते सभी कावड़ियों ने तय कर लिए। ये 10 वीं डाक कावड़ यात्रा थी। सीताराम नॉन स्टॉप जर्नी डाक कावड़ यात्रा वो है जिसमें एक कावड़ को बारी-बारी से कावड़िये लेकर दौड़ते हैं। ये कहीं रुकते नहीं हैं दिन रात ये यात्रा जारी रहती है। अनवरत दौड़ते हुए शनिवार शाम कावड़िए इंदौर पहुंचे और शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए स्कीम 78 स्थित रामेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे जहां महादेव का जल से अभिषेक किया।

डिप्रेशन में आरक्षक ने घर में फांसी लगाकर दी जान

इंदौर। इंदौर में डिप्रेशन के शिकार एक आरक्षक ने फांसी लगाकर जान दे दी। वह इंदौर के सदर बाजार थाने में पदस्थ था। रविवार को वह घर में अकेला था। तब उसने अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है गांधी नगर क्षेत्र में रहने वाला महेश पिता हीरालाल कुछ दिनों से नौकरी के कारण डिप्रेशन में था। वह नियमित तौर पर ड्यूटी पर भी नहीं जाता था। परिजन उसका इलाज भी करा रहे थे। रविवार को वह घर में अकेला था। उसने पंखे पर फांसी का फंदा बनाया और उस पर लटक गया। परिजनों ने उसे फांसी के फंदे पर लटके देखा तो थाने पर सूचना दी। पुलिस को उसके कमरे से सुसाइड नोट भी नहीं मिला। पहले वह मध्य क्षेत्र में रहता था। दो साल पहले वह गांधी नगर की एक टाउनशिप में रहने चला गया था। परिवार में पत्नी व दो बच्चे है। डिप्रेशन के कारण वह थाने पर भी नहीं जाता था। भोपाल के आर्किटेक्ट मिलिंद जुमड़े की आत्महत्या के मामले में लसुड़िया पुलिस ने राजेश खांडे अर प्रमेश मेहता के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है। मिलिंद ने इंदौर के एक होटल में आत्महत्या कर ली थी। मिलिंद का राजेश और प्रमेश से पैसे का लेन-देन था और दोनो उस पर दबाव बना रहे थे।

बिल्डिंग में लगी आग बुझाते समय घुसे चोर

इंदौर। इंदौर के एमआईजी इलाके में दो परिवारों के घर आगजनी के बाद चोरी हो गई। घटना शुक्रवार देर रात की है। दरअसल आग लगने के चलते परिवार के लोग घर से बाहर निकले थे। इस बीच बदमाशों ने मौका पाकर घर पर हाथ साफ कर दिया। एमआईजी पुलिस ने बताया कि राजेन्द्र पुत्र श्रीवीर सिंह निवासी श्रेयस अपार्टमेंट ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 12ः30 बजे उनके अपार्टमेंट की चौथी मंजिल पर आग लग गई। इस दौरान उनका परिवार घबराकर बाहर की तरफ भागा। यहां फ्लैट में आग बुझाना का काम चल रहा था। इस दौरान किसी ने लकड़ी की अलमारी का ताला तोड़कर सोने की झुमकी, दो नाक की बाली, एक सोने की माला, सोने के सिक्के, वहीं रखे 25 हजार रुपए नकदी चुराकर ले गए। वहीं फ्लैट नंबर 205 में भी अलमारी खुली पड़ी थी। यहां भी सामान अस्त व्यस्त था। यहां अलमारी से नकदी और जेवर गायब मिले। इस मामले में पुलिस अफसरों को जानकारी दी गई और थाने आकर केस दर्ज कराया।

सेज यूनिवर्सिटी के होस्टल इंजार्च को लूटा

इंदौर। इंदौर की सेज यूनिवर्सिटी के होस्टल इंचार्ज को पुणे से इंदौर लौटते समय रास्ते में लूट लिया। बदमाश कार में सवार होकर आए थे। बदमाशों ने सोने की चेन, बैग और कार की चाबी लूटी और भाग गए। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। राऊ पुलिस के मुताबिक श्याम शुक्ला की शिकायत पर अज्ञात लुटेरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। श्याम ने बताया कि वह यूनिवर्सिटी में होस्टल इंचार्ज है। 7 अगस्त की सुबह वह पुणे से इंदौर आ रहे थे। वे कार नंबर टढ09इ0291 से न्यूयॉर्क सिटी के यहां अंडर ब्रिज के पास रुके। तभी सफेद रंग की कार से बदमाश आए और हथियार की नोंक पर धमकाने लगे। बदमाशों ने सोने की चेन छीनी, कार से बैग उठाया और कार की चाबी छीन कर भाग गए। घबराहट में वह कार का नंबर भी नहीं देख पाए। कुछ देर बाद कॉलेज स्टूडेंट वहां से निकले तो उन्हें पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस से मामले की शिकायत की। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। राऊ पुलिस ने कहा कि जल्द ही मामले में खुलासा किया जाएगा।

खरगोन जिले के युवक में मिले मिलते-जुलते लक्षण, पुणे लैब भेजा गया सैंपल

चांदीपुरा वायरस का संदिग्ध मरीज मिलने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

सिटी चीफ इंदौर।
शहर में चांदीपुरा वायरस का संदिग्ध मामला सामने आया है, जिससे स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। दरअसल खरगोन जिले के 22 वर्षीय युवक में इस खतरनाक वायरस से मिलते-जुलते लक्षण पाए गए हैं। युवक को गंभीर हालत में इंदौर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है। इस वायरस के संभावित संक्रमण की पुष्टि के लिए युवक का सैंपल पुणे की एक विशेष प्रयोगशाला में भेजा गया है।

खरगोन जिले के कसरावद क्षेत्र के पीपलगोन गांव में एक 22 वर्षीय युवक को गंभीर बुखार और अन्य लक्षणों के साथ पिछले शनिवार को इंदौर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इंदौर के स्वास्थ्य विभाग ने इस मामले को तुरंत संज्ञान में लिया और खरगोन जिले के स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचित किया। वहीं इसके बाद, खरगोन के सीएमएचओ डॉ. एमएस सिसोदिया और इंदौर के सीएमएचओ डॉ. बीएस सेतिया ने मिलकर इस मामले की गंभीरता को समझते हुए युवक के सैंपल जांच के लिए पुणे भेज दिए। बता दें कि चांदीपुरा वायरस का खतरा भले ही नया लग सकता है, लेकिन इसका इतिहास काफी पुराना है। इस वायरस का सबसे पहला मामला 1965 में महाराष्ट्र के चांदीपुरा गांव में सामने आया था, और

इसी के आधार पर इसे चांदीपुरा वायरस नाम दिया गया। यह वायरस मुख्य रूप से मच्छरों, टिक, और सैंड फ्लाई (रेत मक्खी) जैसे वाहकों द्वारा फैलता है।

चांदीपुरा वायरस से ऐसे करें बचाव

-वायरस से बचाव के लिए घर में और आसपास सफाई का ध्यान रखें।
-घर में गंदगी रहेगी तो मच्छर और मक्खियों का खतरा ज्यादा रहेगा।
-सैंडफ्लाई मक्खी के काटने से बचें, घर में मच्छरदानी का उपयोग करें।
-सैंडफ्लाई का मतलब ब्लड को चूसने वाले मच्छर-मक्खियों से होता है।
-मच्छरों से बचने लिए पूरी बांह के कपड़े पहनें, घर में खाना ढककर रखें।

बच्चों के लिए ज्यादा खतरनाक

यह बच्चों के लिए ज्यादा खतरनाक है। इसमें मस्तिष्क काम करना बंद कर देता है। डॉक्टरों के मुताबिक चांदीपुरा महाराष्ट्र में स्थित है। यहां 1965 में मनुष्यों में मस्तिष्क संबंधित वायरस की बीमारी सामने आई थी। इसके बाद इस बीमारी का नाम चांदीपुरा वायरस हो गया था। यह वायरस सैंडफ्लाई मक्खी से फैलता है। यह दीमक जैसी दिखती है। यह गोबर में रहती है।

ये हैं बीमारी के लक्षण

-चांदीपुरा वायरस के लक्षण शुरूआत में साधारण बुखार और सिरदर्द की तरह प्रतीत होते हैं, लेकिन संक्रमण के बढ़ने के साथ मरीज की हालत तेजी से बिगड़ सकती है।
-इसके लक्षणों में अत्यधिक बुखार, उल्टी, सांस लेने में कठिनाई, और शरीर में ऐंठन शामिल हो सकते हैं।
-कुछ मामलों में, यह संक्रमण मस्तिष्क तक पहुंचकर सूजन (एनसेफेलाइटिस) का कारण बन सकता है। य
-इह वायरस तेजी से फैलता है और विशेष रूप से बच्चों को अधिक प्रभावित करता है।

डायरिया और तेज सिरदर्द भी हैं लक्षण

यह बीमारी जानलेवा है। बीमारी में तेज बुखार के साथ उल्टी, मानसिक स्थिति या चेतना में परिवर्तन, फोटोफोबिया (रोशनी से समस्या), डायरिया, तेज सिरदर्द, गर्दन में अकड़न, दौरे पड़ना आदि लक्षण पाए जाते हैं।
- खरगोन सीएमएचओ डॉ. एमएस सिसौदिया

---

6 अक्टूबर को वन सेवा और 21 से 26 अक्टूबर तक राज्य सेवा की होगी परीक्षा

राज्य सेवा मुख्य परीक्षा अक्टूबर में 5 सितंबर तक कर सकेंगे आवेदन

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी एक्जाम 2024) ने राज्य सेवा और वन सेवा मुख्य परीक्षा 2024 से जुड़ी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। प्रारंभिक परीक्षा में चयनित उम्मीदवारों से मुख्य परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने उम्मीदवारों को पांच सितंबर तक का समय दिया है। आवेदन प्राप्त होने के बाद आयोग परीक्षा के लिए जिलों में केंद्र निर्धारित करेंगे। खासबात यह है कि आयोग ने इस बार वनसेवा मुख्य परीक्षा पहले करवाना तय किया है। 6 अक्टूबर को पेपर रखें हैं। जबकि राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 21 से 26 अक्टूबर तक करवाई जाएगी। 20 जुलाई को आयोग ने राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा का आयोग ने परिणाम घोषित किया। राज्य सेवा में 110 पदों के लिए 3328 उम्मीदवार चयनित हुए हैं, जिसमें मुख्य भाग में 2775 और प्रावधिक भाग में 553 उम्मीदवार है।

जबकि वन सेवा में 14 पदों के लिए मुख्य भाग में 284 और प्रावधिक भाग में 44 उम्मीदवार चयनित हुए हैं।

आयोग ने 6 अगस्त से 5 सितंबर तक मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन मांगवाएं है, जिसमें चयनित उम्मीदवारों को फार्म भरना है। आयोग ने राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 21 से 26 अक्टूबर तक रखी है। उम्मीदवारों को परीक्षा में बैठने के लिए एडमिट कार्ड 11 अक्टूबर से जारी होंगे। सामान्य अध्ययन के चार, सामान्य हिन्दी व व्याकरण और हिन्दी निबंध का एक-एक पेपर होगा। सुबह 10 से दोपहर 1 बजे का सत्र रखा है।

खत्म हुई तीन दिन की मोहलत, अब यात्रियों को जाना होगा रिंग रोड के पार

आज से शहर के बाहर से चलेंगी लंबी दूरी की बसें

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। लंबी दूरी की बसों का संचालन शहर के भीतर से बंद करने के लिए विगत दिनों प्रशासन द्वारा गठित कमेटी ने ट्रैवल्स कार्यालय पर कार्रवाई की थी। कार्रवाई के बाद ट्रैवल्स संचालकों को प्रशासन ने तीन दिन में शिफ्टिंग करने का समय दिया था।

सोमवार से बस संचालकों को रिंग रोड के पार से लंबी दूरी की बसों का संचालन करना होगा। शहर के अंदर बसों का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। जिला प्रशासन द्वारा ट्रैवल्स संचालकों को एक माह की मोहलत बसों को शहर से बाहर करने के लिए दी गई थी। तय समय बाद भी ट्रैवल्स संचालकों ने बसों का संचालन बाहर से शुरू नहीं किया तब गुरुवार को जांच दल ने सात ट्रैवल्स संचालकों के कार्यालय सील कर दिए और छह बसों को जब्त कर लिया। प्रशासन की कार्रवाई के बाद ट्रैवल्स संचालकों ने शिफ्टिंग के लिए तीन दिन का समय मांगा था।

यातायात सुधार के लिए किया शहर से बाहर

कलेक्टर आशीष सिंह का कहना है कि यातायात सुधार के लिए लंबी दूरी की बसों का संचालन शहर के बाहर से किया जा रहा है। ट्रैवल्स संचालकों को नायता मुंडला बस स्टैंड से संचालन का विकल्प भी दिया है। यदि वह यहां से संचालन नहीं करना चाहते हैं, तो निजी जमीन से बसों का संचालन कर सकते हैं।

नीट की छात्रा को आरोपी करता था परेशान

बेटी को काटकर फेंकने की धमकी देने वाले स्टूडेंट पर केस

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर के पलासिया में नीट की छात्रा को परेशान कर मोबाइल पर धमकाने का मामला सामने आया है। आरोपी छात्र छात्रा को पहले से जानता है। वह मोबाइल पर कॉल कर छात्रा को धमका रहा था। छात्रा नहीं मानी तो उसके माता-पिता को परेशान करना शुरू कर दिया। इसके बाद छात्रा ने पुलिस से शिकायत कर दी।

पलासिया पुलिस के मुताबिक छात्रा गीता भवन स्थित कोंचिग से नीट की तैयारी कर रही है। उसने बताया कि एक साल पहले उसकी दोस्ती सार्थक श्रीवास्तव से हुई। पढ़ाई के लिए सोशल मीडिया पर बने स्टडी ग्रुप में सार्थक भी जुड़ा था। उसने मेरा नंबर वहीं से लिया। उससे अकसर पढ़ाई के संबंध में बात होती थी। लेकिन 12वीं का रिजल्ट आने के बाद बातचीत बंद हो गई। इसके

बाद मैंने नया नंबर ले लिया। यह नंबर सार्थक ने मेरी सहेली से लिया और मुझे कॉल किया। मैंने बातचीत करने से मना किया तो वह मुझे गालियां देने लगा। इसके बाद उसने मेरे पिता को फोन किया। उन्हें धमकी दी कि घर में घुसकर बेटी को काटकर फेंक देगा। इसके बाद वह अलग-अलग नंबरों से छात्रा और उसके माता-पिता को कॉल कर धमकियां देने लगा। इससे परेशान होकर छात्रा ने पुलिस से शिकायत दर्ज करा दी। शिकायत के बाद पुलिस सार्थक की तलाश कर रही है।

बिजनेसमैन और उसके दोस्त की पब में पिटाई, कार में बैठकर भागे बदमाश

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर के कनाड़िया थाना क्षेत्र में एक बिजनेसमैन और उसके दोस्त की पब में पिटाई कर दी। बिजनेस मैन ने इस मामले में केस दर्ज कराया है। पुलिस कार नंबर के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

कनाड़िया पुलिस के मुताबिक कार्तिक निदरवाल ने बताया कि वह अपने दोस्त संस्कार जैन के साथ दोस्त ऋषभ की बर्थडे पार्टी मनाने केव रेस्टोरेंट और बार यूनो बिजनेस पार्क पहुंचे थे। रात में करीब साढ़े ग्यारह बजे घर आने के लिये बार से बाहर निकले। तभी लिफ्ट के सामने कुछ अज्ञात शराबी आए। वे हमारे लिफ्ट से निकलते ही उन्होंने कार्तिक और संस्कार को गालियां देकर विवाद करने लगे। दोनों ने रोका पर वे नहीं माने और हम सभी की पिटाई कर दी। हमारे सिर-पैर और चेहरे पर चोट आई। इसके बाद सभी शराबी कार नंबर एमपी 09सीएम 8141 में सवार होकर भाग गए।

दोस्तों की मदद से कैफे संचालक ने एक को पकड़ा, एक आरोपी फरार

एक्सीडेंट की फर्जी कहानी सुनाकर लूटने की कोशिश

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर के भंवरकुआं इलाके में एक कैफे संचालक को लूटने की कोशिश की गई। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों पर केस दर्ज किया है। कैफे संचालक ने एक आरोपी को पकड़कर पुलिस को सौंपा है। वहीं दूसरे की तलाश की जा रही है।

भंवरकुआं पुलिस के मुताबिक साहिल परियानी निवासी अशोक नगर की शिकायत पर पुलिस ने निजामुद्दीन उर्फ निजाम पुत्र शेफुद्दीन निवासी मदीना नगर और उसके साथी कालू मांडा निवासी आजाद नगर पर वसूली का केस दर्ज कराया है। साहिल परियानी ने बताया कि वह तीन ईमली चौराहे पर कैफे चलाता है। शनिवार शाम 6.30 बजे वह अपनी कार नंबर एमपी 09डब्ल्यूजे 4451 से तीन इमली से नवलखा की तरफ जा रहा था। नेमावर रोड पर दोनों आरोपी ने बाइक से आकर मुझे रोक लिया। एक ने सीधे हाथ की तरफ का गेट खटखटाकर कार रोकने का इशारा किया। कार रोकने पर कहने लगा हमारी बाइक का एक्सीडेंट किया है। 5 हजार रुपए देना होंगे।

बाइक सहित एक आरोपी को ले गए थाने

परियानी ने एक्सीडेंट की बात से इनकार किया तो दोनो ने मारपीट शुरू कर दी। इसी बीच परियानी को वहां दो दोस्त अक्षय और जयंत जाते हुए दिखे।

उनसे मदद मांगी। उनके मौके पर पहुंचने पर एक आरोपी भाग गया। वहीं बाइक पर बैठा युवक निजाम पकड़ा गया। बाद में बाइक सहित आरोपी को थाने ले गए और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। पुलिस कालू की तलाश कर रही है।

5 दिवसीय ईएमइंडिया-24 के समापन में पहुंचे राज्यपाल मंगूभाई

एम्स में शुरू होगा कैंसर अनुसंधान केंद्र

सिटी चीफ भोपाल।
एम्स भोपाल में आयोजित 20वें अखिल भारतीय आपातकालीन चिकित्सा सम्मेलन (ईएमइंडिया-24) का रविवार को भव्य समापन हुआ। पांच दिन चले इस सम्मेलन के अंतिम दिन एक बेसिक लाइफ सपोर्ट और सीपीआर कोर्स का उद्घाटन मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने किया। इस अवसर पर सांसद आलोक शर्मा भी मौजूद रहे।
राज्यपाल, मंगू भाई पटेल ने कहा कि आपातकालीन चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा का एक ऐसा क्षेत्र है,जो हर पल चुनौती पूर्ण होता है,चाहे वह दुर्घटनाएं हो प्राकृतिक आपदाएं हो या फिर अन्य आपातकालीन स्थितियां। इन सभी में त्वरित और सटीक चिकित्सा सेवा प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है। इस क्षेत्र में नवीनतम तकनीक और प्रोटोकॉल का उपयोग करके हम कई जीवन बचा सकते हैं और मरीजों के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक डॉ अजय सिंह के नेतृत्व में एम्स भोपाल न केवल मध्य प्रदेश बल्कि अन्य प्रदेश के लोगों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है। भोपाल के सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि आज की इस भाग दौड़ भरी जिंदगी में दुर्घटना कभी भी घट सकती है। ऐसे में बेसिक लाइफ सपोर्ट की जानकारी होना बहुत ही आवश्यक है और इस प्रयास के लिए एम्स भोपाल को बहुत बहुत बधाई। एम्स के निदेशक डॉ अजय सिंह का समर्पण और लोगों के स्वास्थ्य के लिए उनकी काम करने की भावना निश्चित ही सराहनीय है। श्री शर्मा ने कहा कि उन्होंने एम्स भोपाल में ट्रॉमा सेंटर की स्थापना और भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर को एम्स भोपाल में मर्ज करने के लिए प्रस्ताव केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री को दिया है और आशा करते हैं कि जल्द ही इस पर काम होगा। इसके अलावा एम्स भोपाल में एक कैंसर अनुसंधान केंद्र भी शुरू किया जाए जिससे लोगों का बेहतर इलाज किया जा सकेगा।

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक डॉ. अजय सिंह ने बताया कि इस ईएमइंडिया-24 सम्मलेन में 750 से भी ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जिसमें न केवल देश से बल्कि विदेश से भी विशेषज्ञों ने भाग लिया। राज्यपाल महोदय का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि आपके सहयोग और मार्गदर्शन से एम्स भोपाल आगे बढ़ रहा है। प्रो. सिंह ने वन स्टेट वन हेल्थ पॉलिसी की चर्चा करते हुए कहा कि इसके लागू होने से मध्य प्रदेश, स्वस्थ प्रदेश बनकर देश में पहला ऐसा राज्य बनेगा जो वन स्टेट वन हेल्थ की पॉलिसी को लागू करेगा। आने वाले दिनों में 150 बिस्तरों का ट्रॉमा और क्रिटिकल केयर यूनिट बनकर तैयार हो जाएगी। पिछले 2 सालों में एम्स में मरीजों का भरोसा काफी बढ़ा है, जिसका परिणाम है कि यहां की ओपीडी में हर रोज 5600 से भी ज्यादा मरीज इलाज करवाने आते हैं।
एम्स भोपाल के अध्यक्ष डॉ सुनील मलिक ने कहा कि इंसान के जीवन से बढ़कर कुछ भी नहीं हो सकता। सही समय पर बेसिक लाइफ सपोर्ट देकर इंसान के जीवन को बचाया जा सकता है। यह जरूरी है कि हर व्यक्ति बीएलएस में पारंगत हो और इसके लिए एक जन जागरण अभियान की आवश्यकता है।

ढाई सौ लोगों को सिखाएंगे लाइफ सपोर्ट और सीपीआर कोर्स

ट्रॉमा एवं इमरजेंसी मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉक्टर यूनुस ने सर्टिफाइड बेसिक लाइफ सपोर्ट और सीपीआर कोर्स के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसमें ढाई सौ से भी अधिक लोगों को जीवन रक्षक तरीकों को सिखाया जाएगा और यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी भी बनती है। इन जीवन रक्षक बातों को सीख कर लोग समुदाय में जाकर और लोगों को भी सिखा सकेंगे। सुबह साढ़े सात बजे भोपाल बाइसिकल राइडर्स ग्रुप के सहयोग से एक साइकिल रैली का भी आयोजन किया गया। इंडसैम के सीईओ डॉ. सागर सी. गलवणकर ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। डॉक्टर सागर ने कहा कि हमें अपने स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए इस तरह की गतिविधियां करते रहना चाहिए। इससे न केवल हमारा स्वास्थ्य बेहतर होता है बल्कि लोगों में एक जागरूकता भी आती है। रैली में लगभग 300 साइकिलिस्ट ने हिस्सा लिया। 14 किलोमीटर लंबी इस साइकिल रैली के द्वारा लोगों को इंजरी से बचने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही आपातकालीन स्थिति में मरीज की किस प्रकार से सहायता करें ताकि उसका जीवन बचाया जा सके। इसके अलावा दिनभर इमरजेंसी मेडिसिन से संबंधित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें 8 मेडिकल कॉलेज के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कल दिल्ली में होगी एमपी कांग्रेस की बड़ी बैठक

भ्रष्टाचार और बिगड़ी कानून व्यवस्था के विरोध में आज कलेक्टर कार्यालय का घेराव

सिटी चीफ भोपाल।
सागर में दलितों पर हुए अत्याचारों, नगर निगम द्वारा स्मार्ट सिटी के नाम पर 900 करोड़ रूपयों के महाघोटाले, भ्रष्टाचार और बिगड़ी कानून व्यवस्था के विरोध में कांग्रेस सोमवार को कलेक्टर कार्यालय का घेराव करेगी।
कांग्रेस को एमपी में लोकसभा चुनाव में मिली बड़ी हार के बाद पार्टी लगातार मंथन कर रही है। भोपाल में लगातार बैठकों का दौर चला अब दिल्ली में 13 अगस्त को कांग्रेस की बैठक होने वाली है। जिसमे पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, भंवर जीतेन्द्र सिंह सहित कई दिग्गज शामिल होंगे। इस दौरान पिछले कुछ महीनों में हुए कामकाज का फीडबैक लेने के उद्देश्य से इस बैठक का आयोजन किया जा रहा है। वहीं इससे पहले सोमवार को सागर में कांग्रेस का बड़ा जंगी प्रदर्शन होगा। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी समेत कई बड़े नेता शामिल होंगे।

उज्जैन में 13 के बजाय 14 को प्रदर्शन

दिल्ली में लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार महासचिव, प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्षों की बड़ी बैठक बुलाई गई है। बैठक की अध्यक्षता मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा की जाएगी। इसमें राहुल गांधी, एमपी के पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, भंवर जीतेन्द्र सिंह सहित पार्टी के कई दिग्गज नेता शामिल होंगे। जानकारी के अनुसार जीतू पटवारी और जीतेन्द्र सिंह एमपी में कांग्रेस के द्वारा किये गए अब तक के कामकाज की जानकारी दी जाएगी। साथ ही किये गए कार्यों के क्या फीडबैक मिले है इसकी पूरी रिपोर्ट बैठक में दी जाएगी। इस बैठक के चलते 13 अगस्त को उज्जैन में होने वाले प्रदर्शन की तिथियों में परिवर्तन कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार 13 अगस्त की जगह प्रदर्शन के लिए 14 अगस्त की तारीख तय की गई है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, विधायक फूल सिंह बरैया, पूर्व विधायक संजय सिंह समेत कई बड़े नेता 12 अगस्त सोमवार को कलेक्टर कार्यालय का घेराव करेंगे। जीतू पटवारी सागर में दलितों पर हुए अत्याचारों, नगर निगम द्वारा स्मार्ट सिटी के नाम पर 900 करोड़ रूपयों के महाघोटाले, भ्रष्टाचार और बिगड़ी कानून व्यवस्था के विरोध में कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित कलेक्टर कार्यालय घेराव कार्यक्रम में शामिल होंगे। पटवारी सहित अन्य नेतागण उसी दिन दोपहर 3 बजे सागर से प्रस्थान कर शाम 6 बजे भोपाल पहुंचेंगे।

जीप के बोनट पर चिपकाया, ध्वज संहिता का उल्लंघन

स्कूल शिक्षा मंत्री की मौजूदगी में तिरंगे का अपमान

सिटी चीफ भोपाल।
प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह की मौजूदगी में रविवार को भारतीय ध्वज संहिता का उल्लंघन किया गया। नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा से विधायक और कैबिनेट मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के नेतृत्व में हर घर तिरंगा यात्रा निकाली गई। इसमें मंत्री एक खुली जीप पर सवार थे। इस जीप के बोनट पर राष्ट्रीय ध्वज को चिपकाया गया था। जबकि भारत सरकार के गृह मंत्रालय की तरफ से जारी भारतीय ध्वज संहिता 2002 और राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 की धारा (2) के बिंदु 11 के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज को वाहन, रेलगाड़ी, नाव अथवा वायुयान के ऊपर, बगल अथवा पीछे से ढंकने के काम में नहीं लगाया जाएगा। इसके विपरीत स्कूली शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह की मौजूदगी में जीप के बोनट पर ध्वज को चिपकाया गया। जानकारों के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज को फहराने की जगह बोनट पर चिपकाना अपमान है।

भोपाल के अधिवक्ता यावर खान ने कहा कि भरतीय झंडा संहिता में राष्ट्रीय ध्वज के उपयोग, प्रदर्शन और सम्मान के नियमों और दिशानिदेर्शों बताए गए हैं। इसका उद्देश्य है कि राष्ट्रीय ध्वज का सम्माजनक और एकरूप तरीके से उपयोग किया जाए। जीप के बोनट पर राष्ट्रीय ध्वज को चिपकाना संहिता के साथ ही राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम 1971 का उल्लंघन है। इसके तहत तीन साल की सजा और जुमार्ने का प्रावधान है। सरकार को तिरंगा यात्रा निकालने के साथ ही लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के लिए जागरूकता भी फैलाना चाहिए। वहीं, ध्वज का अपमान करने वालों पर सख्त कार्रवाई करना चाहिए। मामले में स्कूली शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह का जवाब जानने के लिए उन्हें कॉल करने पर संपर्क नहीं हो सका। वहीं, मैसेज करने पर भी उनका कोई जवाब नहीं आया।

मध्य प्रदेश में देर रात बड़ी संख्या में आईपीएस अफसरों के तबादले, डीसी सागर को पुलिस मुख्यालय भेजा, कई एसपी बदले गए

भोपाल। मध्य प्रदेश में देर रात भारतीय पुलिस सेवा यानी आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए गए। डीसी सागर को पुलिस मुख्यालय भेजा गया है। आधी रात के बाद जारी तबादला सूची में अनुराग शर्मा को विशेष सशस्त्र बल भोपाल के पुलिस निरीक्षक से शहडोल जोन का पुलिस महानिरीक्षक बनाया गया है। 21 अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। तबादले में कृष्णावेनी देसावातु को उपपुलिस महानिरीक्षक विशेष सशस्त्र बल सेंट्रल रेंज भोपाल बनाया गया है। अमित सांघी को उप पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर रेंज बनाया गया है। अतुल सिंह अब उप पुलिस महानिरीक्षक विशेष सशस्त्र बल जबलपुर रेंज होंगे। सिद्धार्थ बहुगुणा को उप पुलिस महानिरीक्षक खरगोन रेंज बनाया गया है। शैलेंद्र सिंह चौहान को सेनानी 13वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल ग्वालियर बनाया गया है।

एनटीसीए की मंजूरी से बाघों के स्थानांतरण का रास्ता साफ

राजस्थान, ओडिशा और छत्तीसगढ़ को बाघ देगा मध्य प्रदेश

सिटी चीफ भोपाल।
देश के टाइगर स्टेट मध्य प्रदेश से तीन राज्यों में बाघ जाएंगे। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की मंजूरी के बाद बाघों के स्थानांतरण का रास्ता साफ हो गया है। इसे बाघों के संरक्षण की बड़ी पहल के रूप में देखा जा रहा है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़, राजस्थान और ओडिशा में कुछ बाघों के स्थानांतरण को मंजूरी दे दी है। मध्य प्रदेश में 2022 की बाघ गणना के अनुसार 785 बाघ हैं।
मध्य प्रदेश के वन्यजीव प्रमुख मुख्य संरक्षक (पीसीसीएफ) शुभरंजन सेन ने बताया कि एनटीसीए की तकनीकी समिति ने स्थानांतरण के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। मध्य प्रदेश सरकार ने तीन राज्यों में स्थानांतरित किए जाने वाले बाघों के स्थान को लेकर जानकारी मांगी है। राज्य सरकार की मंजूरी के बाद बाघों के स्थानांतरण का काम शुरू होगा। उन्होंने बताया कि तीनों राज्यों ने तीन-तीन बाघ और एक-एक बाघिन मांगे हैं। बता दें अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा था कि प्रदेश के अभयारण्यों से बाघ दूसरे राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्यों और कुछ दूसरे राज्यों में स्थानांतरित किए जाएंगे। अब इसको लेकर एनटीसीए ने अभी अपनी मंजूरी दे दी है। वहीं, इस मामले पर वाइल्ड लाइफ एक्टिविस्ट अजय दुबे ने कहा कि बाघों के स्थानांतरण से जीन पूल में सुधार होगा।
उन्होंने कहा कि बाघों को स्थानांतरित करने वाले आवास सुरक्षित होने की पूरी सावधानी बरतनी चाहिए।

भोपाल बनेगा रोज सिटी, हर जगह महकेगी गुलाब की खुशबू

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। भोपाल जिसे सिटी ऑफ लेक्स के नाम से जाना जाता है, वह अब सिटी ऑफ रोज भी बनने जा रहा है। भोपाल में सात से 13 जनवरी, 2028 के बीच भारत का पहला और 21 वां वर्ल्ड रोज कन्वेंशन आयोजित किया जाना है, जिसमें करीब 40 देश शामिल होंगे। इस आयोजन की तैयारी की जा रही है। यहां अगले तीन वर्षों में हर छोटे-बड़े पार्क से लेकर सड़कों के किनारे गुलाब के पौधे रोपे जाएंगे।

सिटी ऑफ रोज की तर्ज पर सजेगा भोपाल

एमपी रोज सोसायटी और इंडियन रोज फेडरेशन के इस भव्य आयोजन के लिए होस्ट सिटी भोपाल को सिटी ऑफ रोज की तर्ज पर सजाया जाएगा। भोपाल नगर निगम और जिला प्रशासन ने हाल ही में एमपी रोज सोसायटी के पदाधिकारियों साथ बैठक करके कार्य योजना पर विचार-विमर्श किया।
भोपाल में फिलहाल तीन बड़े रोज गार्डन हैं। इनमें नेहरू रोज गार्डन बरखेड़ा, विधानसभा गार्डन और लिंक रोड स्थित रोज गार्डन शामिल हैं।
एमपी रोज सोसायटी के सदस्य एसएस गदरे ने बताया कि शहर के कई रोज गार्डन आज मृतप्राय- अवस्था में हैं, पहले उन्हें जीवंत किया जाएगा।
इसके बाद नगर निगम के 140 छोटे-बड़े गार्डन तथा पीडब्ल्यूडी के कुछ बड़े गार्डनों में गुलाब के पौधे बडिंग ग्राफ्टिंग प्रक्रिया से रोपे जाएंगे। ऐसे 150 से अधिक गार्डन गुलाबों से महकेंगे।
इसके साथ ही तीनों लिंक रोड, एयरपोर्ट रोड और वीआइपी रोड के सेंट्रल वर्ज में भी गुलाब के पौधे रोपे जाएंगे। हालांकि इसके लिए करीब एक वर्ष का समय लग सकता है।

कलकत्ता, बेंगलुरु से आएंगे सबसे ज्यादा गुलाब

शहर को रोज सिटी बनाने के लिए देशभर से गुलाब की खास किस्म भोपाल लाकर लगाई जाएगी। इसमें भी कोलकाता, बेंगलुरू और हिमाचल के तराई क्षेत्रों से सबसे ज्यादा गुलाब की किस्में आएंगी। इनके रोपण व रोज गार्डनों की देखरेख के लिए नगर निगम के 700 में से करीब 400 गार्डनरों को रोज सोसायटी द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा।

चीन को पछाड़कर भोपाल का चयन

एमपी रोज सोसायटी के सदस्य एसएस गदरे के अनुसार, वर्ष 2022 में ऑस्ट्रेलिया में वर्ल्ड रोज कनवेंशन हुआ था, तब अगले आयोजन के लिए भारत और चीन ने दावेदारी की थी। 40 में 39 देशों ने वोटिंग में भाग लिया था। इनमें से 33 ने भारत के पक्ष में वोट दिया, जबकि छह वोट चीन को मिले।

भारत को मिली मेजबानी

इस तरह भारत को वर्ष 2028 में होने वाले वर्ल्ड रोज कनवेंशन की मेजबानी मिली। एमपी रोज सोसाइटी ने इंडियन रोज एसोसिएशन के समक्ष भोपाल में यह आयोजन करने का प्रस्ताव रखा, जिसे स्वीकार कर लिया गया। आयोजन में भोपाल में विश्व के 40 देशों के प्रतिनिधि आकर यहां गुलाब की सुंदरता को निहारेंगे।

सम्पादकीय

उथल-पुथल से गुजरते देश में स्थिरता लाना एक कठिन चुनौती

अपने आर्थिक मॉडल से गरीबों को गरीबी के दलदल से निकालने वाले मुहम्मद यूनुस की रचनात्मक पहल ने उन्हें देश में व्यापक जनाधार दिया है। इतना ही नहीं दुनिया के सौ से अधिक देशों में उनके मॉडल पर आधारित ग्रामीण बैंकिंग प्रणाली का अनुकरण किया जा रहा है। विश्वास किया जाना चाहिए कि प्रगतिशील सोच वाले यूनुस के प्रयासों से बांग्लादेश अपनी तेज आर्थिक विकास दर को फिर से हासिल कर सकेगा। हालांकि, देखना होगा कि सेना, राष्ट्रपति, कट्टरपंथी रुझान वाले राजनीतिक दलों व जमात से मुकाबला करते हुए मुहम्मद यूनुस कैसे दबाव मुक्त हो पाते हैं।

शेख हसीना के नाटकीय ढंग से बांग्लादेश छोड़ने के बाद अराजकता व हिंसा का जो तांडव चलता रहा है, उसके बीच अंतरिम सरकार के मुखिया की जिम्मेदारी नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को मिलना नई उम्मीदें जगाता है। यह आने वाला वक्त बताएगा कि 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस निर्विवाद लोकप्रियता के बावजूद अराजक बांग्लादेश को कितनी जल्दी सामान्य बना पाते हैं। निश्चित रूप से उथल-पुथल से गुजरते देश में स्थिरता लाना एक कठिन चुनौती होगी। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि विश्वविख्यात अर्थशास्त्री और गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले यूनुस मौजूदा हालात में एक बेहद विश्वसनीय विकल्प के रूप में सामने आए हैं। यहां तक कि हसीना सरकार के खिलाफ आंदोलनरत छात्र नेताओं ने ही उनके नाम की सिफारिश इस जिम्मेदारी के लिये की थी। यह अच्छी बात है कि उन्होंने कहा कि देश मे हिंसा व अशांति रहने से यह दूसरी आजादी निरर्थक साबित हो सकती है। वहीं उन्होंने भारत से बेहतर रिश्तों की भी जरूरत बतायी है। साथ ही उन्होंने आंदोलनकारियों को लगातार जारी हिंसा के क्षेत्रीय प्रभावों को लेकर भी चेताया है। जाहिर है यूनुस की प्राथमिकता तात्कालिक रूप से सामान्य स्थिति की बहाली, कानून और व्यवस्था में सुधार सुनिश्चित करने तथा कमजोर व अल्पसंख्यक समूहों की सुरक्षा तय करना होगी। बांग्लादेश तथा विश्व में मिले सम्मान व विश्वास से अर्जित अधिकार का वे कितने प्रभावशाली ढंग से उपयोग अराजकता समाप्त करने में कर पाते हैं, इसी बात पर उनकी सफलता निर्भर करेगी। निस्संदेह, बांग्लादेश में निरंकुश शासन से उपजे असंतोष ने सत्ता परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है। अब यूनुस जैसे प्रगतिशाली व उदार व्यक्ति के हाथ में कमोबेश सत्ता की बागडोर आना निश्चित रूप से भारत के भी हित में होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत सरकार भी इस रचनात्मक परिवर्तन के प्रति सकारात्मक रुख दिखाएगी। जाहिर है आने वाले दिनों में उनका नेतृत्व ही तय कर सकेगा कि बांग्लादेश कट्टरपंथियों व सेना के चंगुल से मुक्त होकर एक नई शुरूआत की ओर बढ़ सकेगा।

निश्चित रूप से एक कार्यवाहक सरकार के मुखिया के रूप में यूनुस से बांग्लादेश के लोकतांत्रिक संस्थानों में सुधार, स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव की आकांक्षा को पूरा करने, नेताओं को जवाबदेह बनाने, प्रतिशोध की राजनीति की समाप्ति, सेना व चरमपंथियों की निरंकुशता पर अंकुश लगाने की उम्मीद की जा रही है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि हसीना सरकार के कार्यकाल में यूनुस को राजनीतिक प्रतिशोध का सामना करना पड़ा। उन्होंने सौ से अधिक मुकदमों का सामना किया। यही वजह है कि उन्हें आंदोलनकारियों ने मार्गदर्शक बनाने पर जोर दिया था। बहरहाल, फिलहाल, भारत की गंभीर चिंताएं अपने नागरिकों व बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा तक ही सीमित नहीं हैं। बल्कि यह भी हकीकत है कि बांग्लादेश में लंबे समय तक अस्थिरता भी हमारे लिये चिंता की बात होगी। ऐसे में बांग्लादेश में अंतरिम सरकार से सहयोग करना भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए। यह अच्छी बात है कि भारत विरोधी राजनीतिक दलों, सेना व कट्टरपंथियों के दबाव के बावजूद उन्होंने भारत के साथ रिश्ते सुधारने पर बल दिया है। निश्चित रूप से नेतृत्वहीनता जैसी स्थिति वाले देश में अंतरिम सरकार का बनना एक सकारात्मक संकेत कहा जा सकता है। अब ये आने वाला वक्त बताएगा कि यूनुस कितनी जल्दी देश को उथल-पुथल से निकालकर उसे सामान्य स्थितियों की ओर ले जा सकते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस व्यापक विश्वसनीयता के बूते अपने देश में अमन-चैन कायम कर पाएंगे। अपने आर्थिक मॉडल से गरीबों को गरीबी के दलदल से निकालने वाले मुहम्मद यूनुस की रचनात्मक पहल ने उन्हें देश में व्यापक जनाधार दिया है। इतना ही नहीं दुनिया के सौ से अधिक देशों में उनके मॉडल पर आधारित ग्रामीण बैंकिंग प्रणाली का अनुकरण किया जा रहा है। विश्वास किया जाना चाहिए कि प्रगतिशील सोच वाले यूनुस के प्रयासों से बांग्लादेश अपनी तेज आर्थिक विकास दर को फिर से हासिल कर सकेगा। हालांकि, देखना होगा कि सेना, राष्ट्रपति, कट्टरपंथी रुझान वाले राजनीतिक दलों व जमात से मुकाबला करते हुए मुहम्मद यूनुस कैसे दबाव मुक्त हो पाते हैं।

भारत के एकात्म समाज को टूटा फूटा समाज बनाए जाने के प्रयास

विश्व के कई देशों के बीच आज आपस में कई प्रकार की समस्याएं व्याप्त हैं, जिनके चलते वे आपस में लड़ रहे हैं एवं अपने नागरिकों को खो रहे हैं। यूक्रेन - रूस के बीच युद्ध एवं हमास - इजराईल के बीच युद्ध आज इस बात का प्रत्यक्ष उदाहरण है। बांग्लादेश में अशांति व्याप्त हो गई है। इसी प्रकार ब्रिटेन, फ्रान्स, जर्मनी, अमेरिका जैसे शांतिप्रिय देश भी आज विभिन्न प्रकार की समस्याओं से ग्रसित होते दिखाई दे रहे हैं। इसलिए, शांति स्थापित करने एवं आर्थिक विकास को गतिशील बनाए रखने के उद्देश्य से आज हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों को आज पूरे विश्व में फैलाने की महती आवश्यकता है।

लोकतंत्र में तो सत्ता की स्थापना समाज के द्वारा ही की जाती रही है। साथ ही, किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिए देश में शांति बनाए रखना सबसे पहली आवश्यकता मानी जाती है और देश में शांति स्थापित करने के लिए भी समाज का विशेष योगदान रहता आया है।

किसी भी देश में सत्ता का व्यवहार उस देश के समाज की इच्छा के अनुरूप ही होने के प्रयास होते रहे हैं। जब जब सत्ता द्वारा समाज की इच्छा के विपरीत निर्णय लिए गए हैं अथवा समाज के विचारों का आदर सत्ता द्वारा नहीं किया गया है तब तब उस देश में सत्ता परिवर्तन होता हुआ दिखाई दिया है। लोकतंत्र में तो सत्ता की स्थापना समाज के द्वारा ही की जाती रही है। साथ ही, किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिए देश में शांति बनाए रखना सबसे पहली आवश्यकता मानी जाती है और देश में शांति स्थापित करने के लिए भी समाज का विशेष योगदान रहता आया है। समाज में विभिन्न मत पंथ मानने वाले नागरिक ही यदि आपस में सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाएंगे तो देश में शांति किस प्रकार स्थापित की जा सकेगी।

भारत के नागरिकों में आज 'स्व' के भाव के प्रति जागृति दिखाई देने लगी है और वे 'भारत के हित सर्वोपरि हैं' की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। अतः समाज के विभिन्न वर्गों के बीच यह जागरूकता फैलाने की आज महती आवश्यकता है कि भारत आज आर्थिक प्रगति के जिस मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है ऐसे समय में देश में शांति स्थापित करने की भरपूर आवश्यकता है। क्योंकि, देश में यदि शांति नहीं रह पाती है तो विदेशी संस्थान भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों को स्थापित करने के प्रति हत्तोत्साहित होंगे और देश की आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित होगी।

भारत पिछले लगभग 2000 वर्षों के खंडकाल में से अधिकतम समय (लगभग 250 वर्षों के खंडकाल को छोड़कर) पूरे विश्व में एक आर्थिक ताकत के रूप में अपना स्थान बनाने में सफल रहा है और इसे सोने की चिड़िया कहा जाता रहा है। वर्ष 712 ईसवी में भारत पर हुए आक्रांताओं के आक्रमण के बाद भी भारत की आर्थिक प्रगति पर कोई बहुत फर्क नहीं पड़ा था। परंतु, वर्ष 1750 ईसवी में अंग्रेजों (ईस्ट इंडिया कम्पनी के रूप में) के भारत में आने के बाद से भारत की आर्थिक प्रगति को जैसे ग्रहण ही लग गया था। आक्रांताओं एवं अंग्रेंजों ने न केवल भारत को जमकर लूटा बल्कि भारत की संस्कृति पर भी बहुत गहरी चोट की थी और भारत के नागरिक जैसे अपनी जड़ों से कटकर रहने लगे थे। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के पूर्व भी भारत पर आक्रमण हुए थे, शक, हूण, कुषाण आदि ने भी भारत पर आक्रमण किया था परंतु लगभग 250/300 वर्षों तक भारत पर शासन करने के उपरांत उन्होंने अपने आपको भारतीय सनातन संस्कृति में ही समाहित कर लिया था। इसके ठीक विपरीत आक्रांताओं एवं अंग्रेजों का भारत पर आक्रमण का उद्देश्य भारत की लूट खसोट करने के साथ ही अपने धर्म एवं संस्कृति का प्रचार प्रसार करना भी था। आक्रांताओं ने जोर जबरदस्ती एवं मार काट मचाकर भारत के मूल नागरिकों का धर्म परिवर्तन कर मुसलमान बनाया तो अंग्रेजों ने लालच का सहारा लेकर एवं दबाव बनाकर भारतीय नागरिकों को ईसाई बनाया। इन्होंने भारतीय नागरिकों के मन में सनातन हिंदू संस्कृति के प्रति घृणा पैदा की एवं अपनी पश्चिमी सभ्यता से ओतप्रोत संस्कृति को बेहतर बताया। अंग्रेज भारतीय नागरिकों के मन में ऐसा भाव पैदा करने में सफल रहे कि पश्चिम से चला कोई भी विचार भारतीय सनातन संस्कृति के विचार से बेहतर है। जबकि आज इस बात के पर्याप्त प्रमाण मिल रहे हैं कि पश्चिम द्वारा किए गए लगभग समस्त आविष्कारों के मूल में भारतीय सनातन संस्कृति की ही छाप दिखाई देती है और उन्होंने यह विचार भारतीय वेद, पुराण एवं उपनिषदों से ही लिए गए प्रतीत होते हैं।

कुछ विदेशी ताकतों द्वारा भारत में आज एक बार पुनः इस प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं कि हिंदू सनातन संस्कृति को मानने वाले हिंदू समाज को किस प्रकार आपस में लड़ाकर छिन्न भिन्न किया जाय। आज भारत में एक ऐसा विमर्श खड़ा करने का प्रयास हो रहा हैं कि देश में हिंदू हैं ही नहीं बल्कि सिक्ख हैं, दलित हैं, राजपूत हैं, जैन हैं आदि आदि। देश में जातियों के आधार पर जनसंख्या की मांग की जा रही है ताकि देश में प्रदान की जाने वाली समस्त सुविधाओं को हिंदू समाज की विभिन्न जातियों की जनसंख्या के आधार पर वितरित किया जा सके। जिससे अंततः देश में विभिन्न जातियों के बीच झगड़े पैदा हों और इस प्रकार भारत को एक बार पुनः गुलाम बनाए जाने में आसानी हो सके। विदेशी ताकतों द्वारा आज भारत के एकात्म समाज को टूटा-फूटा समाज बनाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्राचीन भारत में वनवासी थे, ग्रामवासी थे, नगरवासी थे, इस प्रकार त्रिस्तरीय समाज था। भारतीय समाज विभिन्न जातियों में बंटा हुआ था ही नहीं। यह अंग्रेजों का षड्यंत्र था कि भारत में उन्होंने समाज को बांटो और राज करो की नीति अपनाई थी। अन्यथा हिंदू समाज तो भारत में सदैव से एकात्म भाव से रहता आया है। किसी भी देश में क्रांति सत्ता से नहीं आती है बल्कि समाज द्वारा ही क्रांति की जाती है। जिस प्रकार का समाज होगा उसी प्रकार की सत्ता भी देश में स्थापित होगी। अतः किसी भी देश को विकास की राह पर जाने से रोकने के लिए उस देश की संस्कृति को ही समाप्त कर दो। ऐसा प्रयास आज पुनः विदेशी ताकतों द्वारा भारत में किया जा रहा है।

परंतु, अब एक बार पुनः भारत एक ऐसे खंडकाल में प्रवेश करता हुआ दिखाई दे रहा है जिसमें आगे आने वाले समय में विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में भारत की तूती पूरे विश्व में बोलती हुई दिखाई देगी। ऐसे में कुछ देशों द्वारा भारत की आर्थिक प्रगति को विपरीत रूप से प्रभावित करने के लिए कई प्रकार की बाधाएं खड़ी किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। परंतु, देश में निवासरत लगभग 80 प्रतिशत आबादी हिंदू सनातन संस्कृति की अनुयायी है एवं हिंदू समाज में व्याप्त लगभग समस्त जातियों, मत, पंथों को मानने वाले नागरिकों में त्याग, तपस्या, देश प्रेम का भाव, स्व-समर्पण का भाव कूट कूट कर भरा है। इसी कारण से यह कहा भी जाता है कि केवल हिंदू जीवन दर्शन ही आज पूरे विश्व में शांति स्थापित करने में मददगार बन सकता है। भारतीय जीवन प्रणाली अपने आप में सर्व समावेशक है। हिंदू सनातन धर्म का अनुपालन करने वाले नागरिक पशु, पक्षी, वनस्पति, पहाड़, नदियों आदि में भी ईश तत्त्व का वास मानते हैं और उनकी पूजा भी करते हैं। हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों में पला बढ़ा नागरिक अपने विचारों में सहिष्णु होता है तथा सभी जीवों में प्रभु का वास देखता है इसलिए वह हिंसा में बिल्कुल विश्वास नहीं करता है। इसी के चलते यह कहा जा रहा है कि विश्व के कई देशों में लगातार बढ़ रही हिंसा को नियंत्रित करने में हिंदू सनातन संस्कृति के अनुयायी ही सहायक हो सकते हैं। और फिर, हिंदू जीवन दर्शन का अंतिम ध्येय तो मोक्ष को प्राप्त करना है। इस अंतिम लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से भी हिंदू सनातन संस्कृति के अनुयायी कोई भी काम आत्मविचार, मनन एवं चिंतन करने के उपरांत ही करता है। इस प्रकार, इनसे किसी भी जीव को दुखाने वाला कोई गल्त काम हो ही नहीं सकता है। विश्व के कई देशों के बीच आज आपस में कई प्रकार की समस्याएं व्याप्त हैं, जिनके चलते वे आपस में लड़ रहे हैं एवं अपने नागरिकों को खो रहे हैं। यूक्रेन - रूस के बीच युद्ध एवं हमास - इजराईल के बीच युद्ध आज इस बात का प्रत्यक्ष उदाहरण है। बांग्लादेश में अशांति व्याप्त हो गई है। इसी प्रकार ब्रिटेन, फ्रान्स, जर्मनी, अमेरिका जैसे शांतिप्रिय देश भी आज विभिन्न प्रकार की समस्याओं से ग्रसित होते दिखाई दे रहे हैं। इसलिए, शांति स्थापित करने एवं आर्थिक विकास को गतिशील बनाए रखने के उद्देश्य से आज हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों को आज पूरे विश्व में फैलाने की महती आवश्यकता है।

शेख हसीना का तख्तापलट भारत के लिए अच्छी खबर नहीं

बांग्लादेश में सरकार विरोधी प्रदर्शनों में जान-माल और लोकतंत्र को भारी नुकसान के बाद आखिरकार शेख हसीना की सरकार का तख्तापलट हो ही गया। देश की कमान अब सेना के पास है और उसने अंतरिम सरकार का गठन करवाने की बात कही है। शेख हसीना को सत्ता से बाहर करने के लिए बांग्लादेश में जिस तरह का अभियान चलाया गया उसने दूसरे इस्लामिक देशों के सत्ताधारियों की नींद उड़ा दी है। शेख हसीना का सत्ता से बाहर होना कट्टरपंथियों की बहुत बड़ी जीत है। यह जीत दर्शाती है कि दुनिया भर में हावी होते इस्लामिक कट्टरपंथी अब भारत के बगल में भी प्रभावी हो रहे हैं। दुनिया में कई इस्लामिक देश उदारवादी माने जाते हैं अब उन्हें यह खतरा सता रहा है कि यदि कट्टरपंथी उनके यहां भी हावी हुए तो वर्तमान सत्ताधारियों के खिलाफ योजनाबद्ध तरीके से अभियान चलाकर उन्हें शासन से बाहर किया जा सकता है।

जहां तक शेख हसीना की बात है तो उनके शासनकाल में पहली बार देश में हालात इस कदर बेकाबू हुए कि उन्हें इस्तीफा देकर अपना देश छोड़कर ही भागना पड़ा। शेख हसीना के खिलाफ इस समय नाराजगी भले चरम पर पहुँच चुकी थी लेकिन जब वह 2009 का आम चुनाव जीत कर प्रधानमंत्री बनी थीं तब उनकी लोकप्रियता देखने लायक थी। 2009 के बांग्लादेश चुनाव के नतीजों से सबसे बड़ा झटका शेख हसीना की मुख्य प्रतिद्वंद्वी खालिदा जिया को नहीं बल्कि कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी को लगा था। जमात-ए-इस्लामी वही संगठन है जिसने 1971 के मुक्ति संग्राम में पाकिस्तान का पक्ष लिया था। खालिदा जिया की सरकार के दौरान आतंकवादी संगठन बांग्लादेश में खूब फले-फूले थे और कट्टरपंथियों का वहां बोलबाला हुआ करता था। जमात-ए-इस्लामी के भी उस समय 20 सांसद हुआ करते थे। यही नहीं, खालिदा जिया के जमाने में आतंकी तत्व बांग्लादेश की धरती का उपयोग भारत के खिलाफ गतिविधियां चलाने में किया करते थे। उस समय उल्फा तथा कई अन्य उग्रवादी संगठनों के ठिकाने बांग्लादेश में हुआ करते थे। इस संबंध में जब भी भारत सरकार ने तत्कालीन बांग्लादेश सरकार को कार्रवाई के लिए कहा तब-तब खालिदा जिया की सरकार कह देती थी कि भारत की ओर से दी जा रही सूचनाएं गलत हैं।

इसे भी पढ़ें: कौन हैं आर्मी चीफ जनरल वकार, तख्तापलट के बाद जिनके हाथ में आ सकती है बांग्लादेश की कमान

खालिदा जिया ने सत्ता से हटने के बाद काफी प्रयास किया कि वह दोबारा सरकार में लौट सकें लेकिन जनता ने उन्हें हमेशा खारिज किया। खालिदा जिया धीरे-धीरे मुख्यधारा की राजनीति से दूर हो गयीं जिससे ऐसे उत्पाती और आतंकी तत्वों के लिए अस्तित्व बचाने का सवाल खड़ा हो गया जोकि खालिदा जिया के शासन की छत्रछाया में पनपते थे। इन तत्वों ने सरकार के विरोध में योजनाबद्ध तरीके से अभियान चलाया और छात्रों को आगे कर वह अपना उद्देश्य हासिल करने में सफल रहे। बांग्लादेश में जो कुछ हुआ है वह वहां के लिए तो घातक है ही साथ ही भारत के लिए भी यह मुश्किल बढ़ने वाली बात है। भारत ने हालांकि बांग्लादेश सीमा पर सतर्कता बढ़ा दी है लेकिन अब देश को चीन और पाकिस्तान की सीमा के अलावा बांग्लादेश सीमा पर भी काफी सावधानी बरतनी होगी। ढाका में दिल्ली समर्थक सरकार का नहीं रहना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है।

2009 में शेख हसीना सरकार के आने के बाद से भारत और बांग्लादेश के संबंधों में प्रगाढ़ता आई थी। इससे पहले जब शेख हसीना 1996 से 2001 के बीच सत्ता में थीं तब भी भारत और बांग्लादेश के संबंध बेहतर रहे थे। शेख हसीना ने बांग्लादेश की कमान संभालने के बाद कट्टरपंथियों पर लगाम लगाई थी और भारत विरोधी गतिविधियां संचालित कर रहे संगठनों पर भी अंकुश लगाया था। यही नहीं, शेख हसीना बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं को भी अक्सर सुरक्षा का पूरा भरोसा दिलाती रहती थीं और उनके धार्मिक आयोजनों में भी शामिल होती थीं। शेख हसीना सरकार के गिरने के बाद हिंदुओं पर हमले बढ़ने और हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुँचाये जाने की आशंकाएं बलवती हो रही हैं। पहले भी वहां हिंदुओं पर वीभत्स हमले होते रहे हैं ऐसे में अब उनके लिए खतरा और बढ़ गया है।

वैसे इसमें कोई दो राय नहीं कि शेख हसीना ने बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को भी संकटों से उबारा था लेकिन यह भी तथ्य है कि हाल के वर्षों में खासकर महामारी के बाद से देश की अर्थव्यवस्था लड़खड़ाने लगी थी। बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई के चलते शेख हसीना के खिलाफ नाराजगी बढ़ती जा रही थी। देखा जाये तो बांग्लादेश में मौजूदा अशांति का कारण सरकारी और निजी क्षेत्र में नौकरियों की संख्या नहीं बढ़ना भी है। उस पर से बांग्लादेश सरकार के हालिया आरक्षण संबंधी फैसले से छात्रों में नाराजगी बढ़ गई थी। इसके अलावा, बांग्लादेश के कपड़ा कारखाने पूरी दुनिया में मशहूर हैं लेकिन अब यह क्षेत्र सिकुड़ रहा है जिससे देश की अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ा है। साथ ही बांग्लादेश में महंगाई के 10 प्रतिशत के आसपास बने रहने, बांग्लादेश के विदेशी मुद्रा भंडार के सिकुड़ते जाने और देश पर विदेशी कर्ज बढ़ते जाने जैसे कई अन्य कारक भी रहे जोकि शेख हसीना सरकार के खिलाफ आम जनता की नाराजगी बढ़ा रहे थे।

उस पर से जब शेख हसीना ने यह कह दिया कि आरक्षण के विरोध में प्रदर्शन करने वाले लोग छात्र नहीं बल्कि इस्लामिक पार्टी, जमात-ए-इस्लामी और मुख्य विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के लोग थे तो छात्रों का गुस्सा और भड़क गया। इसके बाद शेख हसीना ने और कड़ा रुख अपनाते हुए कह दिया कि जो लोग हिंसा कर रहे हैं वे छात्र नहीं बल्कि आतंकवादी हैं जो देश को अस्थिर करना चाहते हैं इसलिए सरकार उनके साथ सख्ती से निबटेगी। उनके इस बयान के बाद तो आंदोलनरत छात्रों ने आर पार की लड़ाई का मन बना लिया और आखिरकार वह अपने उद्देश्य को हासिल करने में सफल रहे।

बांग्लादेश से जो दृश्य सामने आ रहे हैं वह दर्शा रहे हैं कि प्रदर्शनकारियों का मकसद सिर्फ सत्ता बदलना नहीं था। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के आवास और अन्य महत्वपूर्ण इमारतों में घुसकर प्रदर्शनकारियों ने जो हरकतें की हैं वह दर्शा रही हैं कि अब देश अराजकतावादियों के हाथ में चला गया है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के आवास में जिस तरह मस्ती करते या संपत्ति को नुकसान पहुँचाते युवकों का वीडियो सामने आया है उसने श्रीलंका के राष्ट्रपति भवन में घुसे प्रदर्शनकारियों और अफगानिस्तान में तख्तापलट के दौरान सरकारी इमारतों में घुसते तालिबानियों की याद दिला दी है। बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों को समझना होगा कि मूर्तियों को तोड़ने, सरकारी इमारतों को नुकसान पहुँचाने और किसी देश के विरोध में अभियान चलाने से देश की अर्थव्यवस्था सुधर नहीं जायेगी।

बांग्लादेश में लोकतंत्र के नहीं रहने का सबसे बड़ा खामियाजा यह होगा कि विदेश कर्ज हासिल करने के जो प्रयास किये जा रहे थे, या बांग्लादेश में जो निवेश आने वाला था, अब वह बाधित हो जायेगा। बांग्लादेश में लोकतंत्र के नहीं रहने का खामियाजा यह होगा कि विदेशी सरकारें उसकी मदद करने से कतराएंगी।

दुनिया का कोई भी लोकतांत्रिक देश दूसरे देश की सरकार से ही बातचीत करने या कोई करार करने को वरीयता देता है। सैन्य नियंत्रण वाले देशों से लोकतांत्रिक देश अक्सर दूरी बनाये रखते हैं।

बहरहाल, बांग्लादेश की सेना और राष्ट्रपति को चाहिए कि जल्द से जल्द अंतरिम सरकार का गठन किया जाये और संभव हो तो नये चुनाव कराये जाएं।

यह सर्वविदित है कि हिंसा किसी मसले का हल नहीं है, लूटपाट और उत्पात से देश को नुकसान ही होगा और पिछले वर्षों में आगे बढ़ने के लिए जो मेहनत की गयी थी उस पर भी पानी फिर जायेगा। इसलिए समय की आवश्यकता है कि बांग्लादेश एकजुट होकर इस मुश्किल घड़ी से बाहर निकले।

प्रकृति की चेतावनियों को अनसुना करना ठीक नहीं

अब केरल के वायनाड जिले में लगातार तीन भू-स्खलन आए और फिर सैलाब आया, गांव के गांव दफन हो गए, 400 से अधिक घर देखते ही देखते ह्यमलबाह्ल हो गए, करीब 387 मौतें हो चुकी हैं और 200 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं, यह प्रलय नहीं है, तो और क्या है?

प्रकृति का अत्यधिक दोहन और छेड़छाड़ के दुष्परिणाम वायनाड, जोशी मठ और केदारघाटी के तौर पर हमारे समक्ष हैं। प्रकृति बार बार किसी ने किसी घटना या तरीके से पूरी मानव जाति को चेतावनी और संदेश दे रही है, और हम लगातार प्रकृति के संदेशों को अनसुना और अनदेखा कर रहे हैं। 2013 में केदार घाटी में जो सैलाब आया और तबाही हुई अथवा उत्तरकाशी में भूकंप के बाद जो बाढ़ आई, हमने उन्हें ही प्रलय माना। विनाश और बबार्दी का दूसरा नाम प्रलय है।

अब केरल के वायनाड जिले में लगातार तीन भू-स्खलन आए और फिर सैलाब आया, गांव के गांव दफन हो गए, 400 से अधिक घर देखते ही देखते ह्यमलबाह्ल हो गए, करीब 387 मौतें हो चुकी हैं और 200 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं, यह प्रलय नहीं है, तो और क्या है?

वायनाड में जो कुछ हुआ, यह कुदरती मार नहीं, मानव-निर्मित घटना है, क्योंकि आदमी अपनी मौज मस्ती और ऐयाशी के लिए पहाड़ों को तोड़ रहा है। पहाड़ों की चोटियों पर भी इमारतें बनाई जा रही हैं। केरल की भौगोलिक स्थिति परंपरागत पहाड़ों से भिन्न है, लेकिन देश भर के 80-85 फीसदी भू-स्खलन केरल में ही आते हैं।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के मुताबिक, 2015 से 2022 तक 3782 भूस्खलन आए। उनमें से करीब 60 फीसदी केरल में ही आए। मौजूदा हालात पर विशेषज्ञों का मानना है कि अरब सागर का तापमान बढ़ने से बेहद घने बादल बने और उसी से केरल में कम समय में बहुत ज्यादा बारिश हुई। वायनाड पहाड़ी जिला है और पश्चिमी घाट का हिस्सा है। यहां 2100 मीटर तक ऊंचे पहाड़ हैं।

विशेषज्ञों की मानें तो, जलवायु-परिवर्तन ने भी बारिश की स्थिति और भूस्खलन की तीव्रता को बढ़ाया है। एक शोध में कहा गया है कि जो वायनाड साल भर बूंदाबांदी और मानसून की बारिश वाला ठंडा, नम वातावरण वाला इलाका होता था, जलवायु-परिवर्तन के कारण अब सूखा, गर्म, लेकिन मानसून के दौरान भारी, तीव्र बारिश वाला क्षेत्र बन गया है। इस बदलाव से भूस्खलन का जोखिम बढ़ा है। 2018 के मानसून में भी खूब बारिश हुई थी, तब करीब 400 लोगों की जान चली गई थी। उसके बाद केरल में भू-स्खलन वाला क्षेत्र बढ़ गया है। इस हादसे, संकट या घटना पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगांठ के अवसर पर जनमंच सभागार में आयोजित हुए भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम

बलियाखेडी ब्लॉक से गांधी पार्क तक शहीद स्मृति यात्रा का हुआ आयोजन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । सहारनपुर, काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगांठ के अवसर पर ब्लॉक बलियाखेडी से गांधी पार्क के लिए साईकिल स्वारों द्वारा शहीद स्मृति यात्रा का आयोजन किया गया। सभी साईकिलों पर क्रांतिकारियों द्वारा दिये गये लोकप्रिय नारों की कार्डबोर्ड की पट्टिकाएं लगी हुई थी। शहीद स्मृति यात्रा को राज्यमंत्री लोक
बृजेश सिंह, महापौर डॉ0 अजय कुमार, नगर विधायक राजीव गुंबर, मंडलायुक्त डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद, जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। इसके पश्चात गांधी पार्क में फूल वर्षा कर शहीद स्मृति यात्रा का स्वागत किया गया। उपस्थित सभी ने शहीद क्रांतिकारियों की तस्वीरों एवं महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम का शुभारम्भ तिरंगे रंग के 100 गुब्बारों को उडाकर किया गया। इसी के साथ पुलिस बैण्ड द्वारा राष्ट्रधुन का वादन किया गया। इसके बाद सभी ने जनमंच सभागार में काकोरी शहीद स्मारक, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के उद्बोधन का सजीव प्रसारण देखा। जनमंच सभागार में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गये। मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अन्य अतिथियों तथा वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा शहीद क्रांतिकारियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। इसी के साथ काकोरी ट्रेन एक्शन संबंधी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शिफा और अरशी, द्वितीय स्थान फातिमा अनम एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली सना अफजल और वाजिया को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्वतंत्रता आंदोलन काकोरी से संबंधित पुस्तक का विमोचन किया गया। जनमंच परिसर में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगाई गयी प्रदर्शनी को सभी ने देखा एवं खूब सराहा। गुरूनानक गर्ल्स इण्टर कॉलेज की छात्राओं द्वारा शहीदों पर आधारित बनाई गयी रंगोली की उपस्थित सभी ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। राज्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश भर में कार्यक्रम आयोजित कर शहीद क्रांतिकारियों को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के साथ ही उनके परिजनों को सम्मानित किया जा रहा है। उन्होने कहा कि भारत संस्कार और संस्कृतियों वाला देश है और हमें अपनी विराट संस्कृति पर गर्व करना चाहिए। जो देश अपनी संस्कृति, संस्कार और विरासत को साथ लेकर चलता है वह हमेशा तरक्की के पथ पर अग्रसर रहता है। उन्होंने युवाओं और बच्चों का आवाहन करते हुए कहा कि 2047 में भारत को विकसित बनाने के संकल्प को सिद्ध करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। उन्होंने वैष्णवी नृत्यालय की चेयरपर्सन एवं साधिकाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में नृत्य भी एक प्रकार की ईश्वरीय आराधना है। महापौर डॉ0 अजय कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और क्रांतिकारियों के बलिदान की वजह से आज हम स्वच्छंद हवा में सांस ले रहे हैं। काकोरी ट्रेन एक्शन कोई लूट नहीं बल्कि अपने देश को आजाद कराने के लिए आवश्यक संसाधनों की पूर्ति करना था। उन्होंने कहा भारत आज पुन: सोने की चिड़िया बनने के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि हम सब भाग्यशाली है कि हमारा जन्म गौरवमयी इतिहास वाली पवित्र भूमि भारत में हुआ है। उन्होंने सभी से आह्वान करते हुए कहा कि जाति धर्म से ऊपर उठते हुए राष्ट्रहित में कार्य करें जिससे देश विकास की नई ऊंचाइयों को छू सके। नगर विधायक राजीव गुंबर ने क्रांतिकारियों और शहीदों की कुरबानियों को याद करने के साथ उनके परिवार को नमन करते हुए कहा कि हमारी सरकार क्रांतिकारियों और शहीदों के परिवार को सम्मान देने का कार्य कर रही है। काकोरी ट्रेन एक्शन जैसे कार्यक्रमों का उद्देश्य युवा पीढ़ी, समाज और देश के लोगों को उन जाने अनजाने और गुमनाम लोगों की भूमिका से परिचित कराना है जिन्होंने देश को आजाद कराने में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि 13 से 15 अगस्त तक चलने वाले हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत अपने घर, स्कूल और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर झंडा जरूर लगाएं। योगगुरु भारत भूषण ने भव्य कार्यक्रम आयोजित कराने के लिए जिला प्रशासन को बधाई देते हुए कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन की घटना जिस ट्रेन में हुई थी वो ट्रेन सहारनपुर से चलती थी। उन्होंने उपस्थित जनसमूहों से कहा कि अपनी गौरवशाली परंपरा को संभाले और यहां से जाकर क्रांतिकारियों के जीवन विचारों को जीवन में शामिल करते हुए उनका जीवन स्मारक बनकर लोगों के लिए प्रेरणा बने। मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन ने उपस्थित सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि उनके उदबोधन से वर्ष भर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर नगर आयुक्त संजय चौहान, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, निदेशक उत्तर प्रदेश संगीत नाटक एकेडमी डॉ0 शोभित नाहर, जिला सूचना अधिकारी दिलीप कुमार गुप्ता, सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण, गणमान्य व्यक्ति एवं भारी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

महिलाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध किया

आभा सिंघल को तीज क्वीन का खिताब दिया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । सहारनपुर । देवबंद, महाराजा अग्रसेन महिला मंडल की ओर से हरियाली तीज उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। देवबंद के रेलवे रोड स्थित एक प्रतिष्ठान में आयोजित हरियाली तीज उत्सव में महिलाओं ने विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम पेश किए। इसमें आभा सिंघल को तीज क्वीन का खिताब दिया गया। कार्यक्रम में समिति के अगले सत्र के नवनिर्वाचित सदस्यों को सैश पहनाकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग की धर्मपत्नी ऋचा गर्ग ने कहा कि यह त्योहार हमें नया जोश और उमंग का संदेश देता है। त्योहारों को हंसी खुशी मनाना चाहिए। संस्था की पूर्व अध्यक्ष पूनम सिंघल ने कहा कि तीज का यह त्योहार न केवल हमारी परंपराओं को संजोए रखता है बल्कि महिलाओं को एकजुटता और सामूहिकता का संदेश भी देता है। इस अवसर पर अरुणा अग्रवाल, सुमन सिंघल, मिन्नी सिंघल, अर्पणा अग्रवाल, सुधा कंसल, चित्रा सिंघल, शैली, साधना, श्वेता, रीटा, अर्चना, योगिता, वर्षा आदि मौजूद रही।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत वाहन रैली आयोजित की गई - कलेक्टर डॉ बेडेकर

रिज़वान शेख । सिटी चीफ । अलीराजपुर, कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर ने बताया कि शासन की मंशा अनुरूप जिले में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में कई गतिविधियां आयोजित होगी जिससे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिलेवासियों में उत्साह एवं हर्ष का माहौल बन सके । इसी श्रृंखला मे आज टंकी ग्राउंड से लेकर कलेक्ट्रेट तक साइकिल - वाहन रैली का आयोजन किया गया । इस रैली के माध्यम से लोगो तक पहुच कर स्वतंत्रता दिवस और वीर शहीदों को याद कर उद्घोष भी लगाए गए । उन्होने बताया कि 15 अगस्त से पूर्व हर घर तिरंगा अभियान 2024 के तहत 12 अगस्त को तिरंगा यात्रा टंकी ग्राउंड से फतेह क्लब तक आयोजित की जाएगी एवं 13 अगस्त को एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम महाविद्यालय ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित होगा । इस दौरान उन्होने विशेष अपील करते हुए जिलेवासियों से कहा कि सभी अपने अपने निवास स्थल या कार्यस्थल पर तिरंगा लगाएं और अपनी तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर http://harghartiranga.com उक्त पोर्टल पर अपलोड भारत सरकार द्वारा सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकते है । इस वाहन रैली में अनुविभागीय अधिकारी श्री तपीस पांडे , जिला शिक्षा अधिकारी श्री अर्जुन सिंह सोलंकी , तहसीलदार श्री हर्षल बेहरानी , प्रभारी आयुक्त आदिम जाति श्री संतोष परवाल समेत शिक्षा विभाग , जनजाति विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों एवं आमजन द्वारा रैली में भाग लिया ।

डिप्तेश्वरी गुथरे ने क्षेत्रीय भिलाली बोली में वर्णमाला की तैयार

विश्व आदिवासी दिवस पर समाज के वरिष्ठों ने किया विमोचन

रिज़वान शेख । सिटी चीफ । अलीराजपुर, विश्व आदिवासी दिवस के शुभ अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम में ग्राम देहदला की निवासी लोक लेखिका दिप्तेश्वरी गुथरे पिता मोहब्बत सिंह गुथरे के द्वारा क्षेत्रीय भिलाली बोली में बनाई गई वर्णमाला का जिला कोर कमेटी के वरिष्ठ सदस्यों ने वर्णमाला चार्ट का विमोचन किया गया है। दिप्तेश्वरी गुथरे का कहना है कि इस वर्णमाला को बनाने का उद्देश्य बच्चों को पढ़ाई के प्रति रुचि जाग्रत करने में सहायक होगी । नई शिक्षा नीति एवं शिक्षाविद भी यही कहते है बच्चों का शिक्षण अपनी मातृभाषा में होगा तो वह रुचि पूर्ण तरीके से शिक्षा प्राप्त करने के लिए तत्पर रहेंगे,साथ ही उनका आत्मविश्वास भी पढ़ाई के प्रति बढ़ेगा और वह अपनी शिक्षा को जारी रखने के लिए प्रेरित होंगे। आदिवासी कर्मचारी अधिकारी संगठन (आकास) जिलाध्यक्ष भंगुसिंह तोमर ने कहा कि दिप्तेश्वरी गुथरे जी पिछले कई वर्षों से लगातार आदिवासी क्षेत्रीय बोली पर कार्य कर रही है,जिसमें वह आदिवासी क्षेत्रीय बोली कविताएं, कहानी, पहेलियां आदि लिखती है। वह प्रति वर्ष भगोरिया हाट में विलुप्त होती जा रही सामग्रियों कि प्रदर्शनी भी लगाती है जिससे समाज के लोग अपनी संस्कृति का संरक्षण कर सके और स्वयं भी आदिवासी होने पर गर्व महसूस करें। दिप्तेश्वरी अपने द्वारा एक कुटीर उद्योग भी चला रहीं है जिसमें वह क्षेत्र कि साँस्कृतिक वस्तुओं को अपने समुह कि महिलाओं के साथ बनाती है और स्टाल के माध्यम से विक्रय भी करती है।पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिलकर अपने द्वारा बनाई गई वस्तुएं भेंट कर चुकी है।उनके कार्य की प्रशंसा और सराहना की है।आदिवासी संस्कृति संरक्षण के प्रति उत्कृष्ट कार्य कर रही है और समाज किअन्य बेटियों को भी प्रेरित कर रही है ।

विश्व आदिवासी दिवस पर डॉ प्रीति बाला बघेल ने आदिवासी ड्रेस कोड में जिला चिकित्सालय में लोगों का ईलाज करते हुए

शासकीय अवकाश नही होने से आदिवासी कर्मचारी अधिकारी मायूस होकर कार्यलयों में कार्य करते रहें

रिज़वान शेख । सिटी चीफ । अलीराजपुर, संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर शासकीय अवकाश घोषित नही किये जाने से कार्यलयों में अपने पारम्परिक वेश भूषा में आदिवासी कर्मचारी अधिकारी ड्यूटी करते हुए देखे गए हैं, साथी कर्मचारियों ने अवकाश नही मिलने से नाराजगी भी व्यक्त की गई। ऐसा ही एक मामला जिला अस्पताल अलीराजपुर में आदिवासी ड्रेस कोड में कार्य करते हुए डॉक्टर प्रतिबाला बघेल को देखा गया। ज्ञात हो कि डॉ.बघेल मेडम वर्ष 2016 से जिला चिकित्सालय अलीराजपुर में स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं जिला ब्लेड बैंक प्रभारी अधिकारी के पद पर पदस्थ होकर कार्यरत हैं। डॉ. बघेल मेडम ने कहा कि आदिवासीयों की सुरक्षा, अधिकार और संस्कृति को बचाने के लिए प्रत्येक वर्ष विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है,और हम सब अधिकारी कर्मचारीयों की भी जिम्मेदारी हैं कि हमारी संस्कृति और अधिकार को बचाये रखा चाहिए। मैं हर साल विश्व आदिवासी दिवस पर आपकी संस्कृति अनुरूप आदिवासी ड्रेस के साथ ही चांदी के गहने पहने कर अपनी संस्कृति के संरक्षण का संदेश देने का प्रयास करती हूँ,और जिला अस्पताल में मरीजों को देखती हूँ और ईलाज करती हूं।मुझे अपनी संस्कृति पर गर्व है,और मुझे बहुत खुशी मिलती है। अवकाश नही मिलने के कारण हम लोग हमारे सबसे बड़े दिवस के कार्यक्रम एवं सांस्कृतिक महारैली में सम्मिलित नही हो पाते हैं जिसका हम को दुख होता है।

औल्याकन्हार शिव मंदिर से पोटियापाट के लिए निकली कावड़ यात्रा

ग्रामीणों ने किया जलाभिषेक

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, चल रे कावाड़िये,पोटियापाट धाम,बन जायेंगे सब बिगड़ें काम... बम-बम भोले,हर-हर भोले तथा हर-हर महादेव के साथ डीजे कि धुन पर कावाड़ियें पोटियापाट धाम के लिए पैदल रवाना हुए जिसमें ग्राम कि महिलाएं,पुरुष तथा बच्चें शामिल रहे हैं,औल्याकन्हार ग्राम में 11 अगस्त दिन रविवार को शिव मंदिर में सभी लोग एकत्रित हुए तथा मंदिर में पूजा अर्चना कर कांवड़ रखकर पोटिया पाट के लिए पैदल प्रस्थान किया गया है।

प्रेस से चर्चा करते हुए ग्राम सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा बहुत दिनों से मांग कि जा रही थी कि ग्राम में सावन माह के पवित्र महिने में पिछले वर्ष कि तरह इस वर्ष भी ग्राम में कांवड़ यात्रा निकाला जाये,ग्रामीणों कि मांग को ध्यान में रखते हुए 8अगस्त को पंचायत भवन में ग्रामीणों कि बैठकआहूत हुई,जिसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि ग्राम में इस वर्ष भी सावन माह के पवित्र महिने में 11 अगस्त दिन रविवार को कांवड़ यात्रा निकालना है जिसका उपस्थित लोगों ने समर्थन किया था। इसी तारतम्य में ग्राम के महिला पुरूष व बच्चे शिवमंदिर में आज एकत्रित हुए तथा भगवान शिव कि पूजा पश्चात ग्रामीण जन पैदल कांवड़ रखकर रवाना हुए तथा अमोली बम्हनी मार्ग से वैनगंगा पोटियापाट पहुंचे जहां पर शिव मंदिर में माथा टेककर पूजा कि गई तथा कांवड़ में जल भरकर कांवड़ यात्रा लेकर ग्राम कि ओर रवाना हुए रवाना होने के पहले ग्रामीणों ने स्वल्पाहार किया तत्पश्चात सभी कांवड़िए ग्राम पहुंचे। ग्राम में पहुंचकर जलाभिषेक कर पुनः पूजा अर्चना किया गया तथा ग्राम कि खुशयाली हरियाली तथा मंगलमय कि कामना कि गई है।

वहीं इस दौरान प्रमुख रूप से ओ.पी.बिसेन सरपंच प्रतिनिधि, राजाराम सहारे,हरिलाल मराठा,लक्ष्मण सोनवाने, सुनील बिसेन, सुशील ब्रम्हें,धनेन्द्र पटले,रोहित हरिद्वाज, अमित हरिद्वाज, संदीप गुनेश्वर पंच, मो सुलेमान खान, जितेन्द्र ब्रम्हें (पटेल), सोमेश बिसेन, जितेन्द्र यादव, सागर ब्रम्हें, रोमेश हरिद्वाज उर्फ राजा भैया, मुकेश चौहान, शान्तनु भारद्वाज, उम्मेद चावले, उमा प्रसाद नागेश्वर, आकाश ब्रम्हें,राकेश नागेश्वर,संजय मराठा,वहीं महिलाओं में सरला यादव,रविता पांडे,सविता ब्रम्हें,भावना ब्रम्हें,मेहुल धानेश्वर,हेमलता राणा,सुरमन बिसेन,राजकुमारी ब्रम्हें सहित अन्य सभी लोग उपस्थित रहे हैं।

हर घर तिरंगा अभियान

हाथों में तिरंगा थामकर केंद्रीय मंत्री सिंधिया की अगुवाई में शान से निकली तिरंगा यात्रा

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ शिवपुरी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुहिम पर देशभर में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। शिवपुरी में भी आज केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एक दिवसीय भ्रमण पर आए, तब उन्होंने कई कार्यक्रमों में भाग लिया। एक भव्य तिरंगा यात्रा भी निकाली गई। यह तिरंगा यात्रा न्यू ब्लॉक चौराहे से शुरू हुई और मानस भवन तक सभी हाथ में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ पहुंचे। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि तिरंगा हमारी शान है। आज इस तिरंगा यात्रा के माध्यम से हम देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

इस तिरंगा यात्रा में बैंड के साथ स्कूली बच्चे तिरंगा हाथ में लिए देशभक्ति नारे लगाते हुए कदम से कदम मिलाकर चल रहे थे। इसके बाद केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने सर्किट हाउस के पास सिंधिया जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन किया फिर केंद्रीय मंत्री ने लाडली बहना महोत्सव कार्यक्रम में शिरकत की जहाँ उन्होंने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की तारीफ करते हुए कहा कि मप्र के मुख्यमंत्री महिला सुरक्षा को लेकर अच्छा काम कर रहे हैं तो देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओ के लिए उज्ज्वला योजना दी है जिससे हर गरीब महिलाओं के घर गैस चूल्हा पहुँचा है। हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजित तिरंगा यात्रा में शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन, कोलारस विधायक महेंद्र यादव,पिछोर विधायक प्रीतम लोधी, पूर्व विधायक सुरेश धाकड़ राठखेड़ा, जिला अध्यक्ष राजू बाथम, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, नगरपालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

शिवपुरी की सतनवाड़ा थाना पुलिस ने महिला की हत्या के मामले का 24 घण्टे के अंदर करा खुलासा

आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ शिवपुरी, जानकारी के अनुसार शुक्रवार को सतनवाड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम डोंगर में फूलवती नामक महिला की फाँसी लगने से मौत हुई थी जिस पर शिवपुरी पुलिस अधीक्षक ने घटना को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे जिसके बाद सतनवाड़ा थाना प्रभारी कुसुम गोयल ने मुखबिर की सूचना पर जांच में पाया कि मृतिका के पति ने एक माह पहले किसी दूसरी महिला से शादी कर ली थी जिस पर महिला का अपने पति से झगड़ा हो गया और मृतिका के पति और उसकी दूसरी पत्नी ने गले मे साड़ी का फंदा लगाकर उसकी हत्या कर दी थी आज सतनवाड़ा थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

घोटी में निकाली गई कांवड़ यात्रा, हर्षोउल्लास के साथ ग्रामीणों ने किया जलाभिषेक

ग्राम के बजरंग मंदिर से प्रारम्भ यात्रा का पोटियापाठ में हुआ समापन

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, भगवान शिव के भक्तों को सावन महीने का बहुत बेसब्री से इंतजार रहता है।सावन माह में हिन्दू धर्मावलंबियों द्वारा कांवड़ यात्रा निकालकर शिवभक्त अपनी मनोकामना पुरी करते है।इसी तारतम्य में लालबर्रा नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी कांवड़ यात्रा निकाली जा रही है। महादेव के भक्त समीपस्थ वैनगंगा नदी से जल भरकर लाते है और शिवलिंग का जलाभिषेक करते है इसी तारतम्य मे लालबर्रा क्षेत्र के ग्राम घोटी स्थित हनुमान मंदिर से 11अगस्त को कावड़ यात्रा निकाली गई,आयोजित कांवड़ यात्रा ग्राम घोटी से प्रारंभ होकर पोटियापाठ देव स्थान पहुंचकर कांवड़ियों ने जल भरकर ग्राम बम्हनी नदी के निकट स्थित शिव मंदिर में भगवान शिव की प्रतिमा एवं शिवलिंग का जलाभिषेक किया गया। यात्रा में नन्हे-मुन्हे बच्चों सहित सैकड़ों की संख्या में धार्मिक गीतों के साथ थिरकते हुए ग्रामीण जन शामिल होकर कांवड़ियों द्वारा पोटियापाट स्थित भोले बाबा को जलाभिषेक कर ग्राम वापसी कर हनुमान मंदिर में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का वाचन किया गया।

शाजापुर में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व पाठ्यक्रम का शुभारंभ

विधायक अरुण भीमावद के साथ तिरंगा यात्रा और पौधरोपण का आयोजन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।
शाजापुर, रविवार को पं. बाल कृष्ण शर्मा शासकीय महाविद्यालय शाजापुर में जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम का शुभारंभ व नवीनतम बीएसडब्ल्यू एवम एमएसडब्ल्यू छात्र छात्राओं की कक्षाओं के प्रथम दिवस पर पधारे शाजापुर विधानसभा के लोकप्रिय विधायक माननीय अरुण भीमावद भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री दिनेश शर्मा ,पूर्व मंडी अध्यक्ष रमेश पाटीदार शासकीय महाविद्यालय प.बालकृष्ण शर्मा नवीन के प्राचार्य श्री विभूति मंचासिन रहे। कार्यक्रम में परामर्शदाता व छात्र-छात्राओं द्वारा रंगोली बनाकर अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद जी एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय गान,देश भक्ति गीत एवं मन मस्त फकीरी से समा बांधा गया। उसके पश्चात माननीय विधायक महोदय का स्वागत साफे से विकासखंड समन्वयक बसंत रावत द्वारा स्वगत किया गया एवं परामर्शदा उमा बरेठा द्वारा भारतीय परंपरा अनुसार सभी को तिलक लगाकर स्वागत किया । कार्यक्रम की विस्तार पूर्वक जानकारी बसंत रावत शाजापुर विकासखण्ड समन्वयक द्वारा प्रदान की गई। किस प्रकार से युवाओं के साथ मिलकर कार्य किया रहा है व संचालित यह कोर्स सामाजिक क्षेत्र में नवीन आयाम स्थापित कर रहा है एवम समाज सीधे जुड़ाव कर शासन की योजनाओं को प्रत्येक घर तक पहुंचाने का कार्य इन छात्रों द्वारा किया जाता है। आने वाले समय में भी सामाजिक क्षेत्र में अनेक नवाचार इन छात्रों के माध्यम से किए जायेंगे। साथ ही जन अभियान परिषद की ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियां नवांकुर संस्थाएं भी ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को जागरूक करने के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। नवांकुर संस्थाओं द्वारा शासन की योजनाओं और अभियानों में हमेशा सहयोग प्रदान किया है। इसके पश्चात नशा मुक्ति की भी शपथ दिलाई गई। माननीय विधायक महोदय द्वारा कार्यक्रम में पाठ्य पुस्तक का वितरण छात्र छात्राओं को किया गया व एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। पोधारोपण करते हुए माननीय द्वारा बताया गया की देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा यह अभियान आरंभ किया गया है इसमें सभी लोगों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाइए और अधिक से अधिक पौधरोपण कर वायुदूत ऐप पर भी इसको अपलोड करना चाइए ।कार्यक्रम में अध्यक्ष भाषण देते हुए दिनेश जी शर्मा ने बताया कि जन अभियान परिषद किस प्रकार युवाओं के बीच में काम करता है एवं शासन की योजनाओं को कैसे एक दूसरे तक पहचाने का काम बहुत ही अच्छे तरीके से करता है ।मुझे यह आकर बहुत अपनापन लगता है । माननीय विधायक महोदय द्वारा अपने उद्बोधन श्री अरुण जी भीमावद द्वार दिया गया उन्हों कहा कि जन अभियान परिषद मेरे मन के बहुत करीब है यह हमेशा नए कार्यक्रम का सृजन करता रहता है । हम भी इसके ही अंग है इससे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला है। पूर्व में जन अभियान परिषद ने बड़े-बड़े कार्यक्रम हाथ में लिए उन्हे सफल बनाया। जिसकी मिसाल माननीय पूर्व मुख्यमंत्री जी देते रहते थे मैं आप सभी से आह्वान करता हूं कि आपको और हमको ग्रामीण क्षेत्र में जो वंचित है उनके समर्पण भाव से कार्य करना होगा जिससे उन्हें मुख्य धारा से जोड़ा जा सके । कार्यक्रम नवांकुर संस्थाओं के माध्यम से तिरंगा यात्रा निकाली गई जो कि शासकीय महाविद्यालय प.बालकृष्ण शर्मा नवीन से आरंभ डीईओ कार्यालय के सामने से होते, ट्रैफिक प्वाइंट, फव्हारा चोक से बस स्टैंड होते हुए राजराजेश्वरी मंदिर पर पहुंची जहां पर गिरते पानी में सभी छात्र-छात्राएं नारे लगाते हुए चलते रहे। सभी प्रतिनिधियों ने पानी की चिंता किए बिना ही अपनी यात्रा सतत जारी रखी कार्यक्रम में उपस्थित कंचन वेलफेयर सोसाइटी से नवीन वर्मा, वंदे मातरम से शांतिलाल मीना, स्वामी विवेकानंद संस्था से दिलीप चौधरी, आराधना जनकल्याण से श्री जीवन परिहार, एवं दीप मानस संस्था से श्री घनश्याम विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर परामर्शदाता बहादुर सिंह सोलंकी, राजश्री उदासी एवं तृप्ति रावत ने छात्रों को विशेष संबंधी जानकारी दी। कार्यक्रम में पुस्तक वितरण का भी माननीय विधायक महोदय द्वारा छात्र को की गई ।कार्यक्रम का संचालन दिलीप चौधरी ने किया का आभार महेंद्र वर्मा ने माना।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस के सभागार कार्यक्रम आयोजित

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ ।
शहडोल, विधायक विधानसभा क्षेत्र जैतपुर जयसिंह मरावी की उपस्थिति में आज बुढ़ार विकासखंड अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस के सभागार में मुख्यमंत्री सामुदायिक क्षमता विकास पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी का संदेश वाचन विधायक जय सिंह मरावी द्वारा किया गया एवं मध्यप्रदेश के 313 विकास खण्डों में बैचलर ऑफ सोशल वर्क, एवं मास्टर ऑफ सोशल वर्क, सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत विकास पाठ्यक्रम कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 यशस्वी प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत के लक्ष्य की युगांतकारी अभिव्यक्ति है इस हेतु पाठ्यक्रम को अति आवश्यक माना गया। कार्यक्रम के दौरान एमएसडब्ल्यू व बीएसडब्ल्यू के छात्रों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई एवं कॉलेज परिसर में एक पेंड मां के नाम अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण मुख्य अतिथि तथा अन्य अतिथियों द्वारा किया गया कार्यक्रम के दौरान छात्रों द्वारा अनुभव कथन साझा किया गया एवं नवीन छात्रों को पुस्तक भी वितरित की गई। कार्यक्रम में जनपद पंचायत बुढार सी ई ओ मुद्रिका सिंह पटेल, प्राचार्य श्रीमती संगीता मसी, जनअभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडेय, सांसद प्रतिनिधि अर्जुन सोनी, डॉ राधेश्याम नापित सहायक प्राध्यापक कृष्ण गुप्ता, मोहन उपाध्याय, दीप्ति पाण्डेय, चन्द्रशेखर वर्मा, सुरेश मिश्रा, आशीष नामदेव, पूर्णिमा मुखर्जी, कैलाश पाण्डेय, आनंद यादव, रोहणी वर्मन, आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में ‘‘हर घर तिरंगा‘‘ एवं ‘‘आजादी के रंग खाकी के संग‘‘ अभियान

जिला पुलिस बल कटनी द्वारा पुलिस बैंड सहित फ्लैग मार्च का आयोजन हुआ

सुनील यादव । सिटी चीफ ।
कटनी, इस वर्ष 15 अगस्त को हम अपना 78 वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहे है। आजादी के इस महापर्व पर देश की आन-बान-शान के प्रतीक राष्ट्रध्वज तिरंगा के सम्मान में देश भर में हर घर तिरंगा अभियान मनाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य देश वासियों को देश भक्ति की भावना से जोड़ना और उन्हें देश की आजादी के महत्व के बारे में जागरूक करना है। अभियान की मूल भावना है कि लोग अपने राष्ट्रध्वज तिरंगे के प्रति गर्व महसूस करें और अपने घरों पर तिरंगा फहराएं। मध्यप्रदेश पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना के नेतृत्व में मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा हर घर तिरंगा अभियान मनाया जा रहा है। जिला कटनी में पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन के मार्गदर्शन में कटनी पुलिस द्वारा हर घर तिरंगा अभियान पूरे उत्साह उमंग के साथ मनाया जा रहा है।कटनी पुलिस द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन द्वारा हर घर तिरंगा अभियान को थाना कोतवाली से हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया । इस तिरंगा रैली में थाना कोतवाली क्षेत्र के मुख्य चौराहो में पुलिस बैंड द्वारा भिन्न-भिन्न देशभक्ति धुनो पर मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई।

शाजापुर से निकली कावड़ यात्रा

कावड़ यात्रियों का जत्था महाकालेश्वर का अभिषेक करने उज्जैन हेतु रवाना हुआ

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ | शाजापुर, जय शिव कावड़ यात्रा संघ के बैनरतले 24वें वर्ष भी शहर से कावड़ यात्रा उज्जैन के लिए रवाना हुई। रविवार को वजीरपुरा स्थित बालवीर हनुमान मंदिर से सुबह 9 बजे पंडित संतोष जोशी के नेतृत्व में कावड़ यात्रियों का जत्था महाकालेश्वर का अभिषेक करने उज्जैन हेतु रवाना हुआ। बोल बम के जयकारों के साथ कावड़िए शिव धून पर थिरकते हुए चल रहे थे। जोशी ने बताया कि उज्जैन पहुंचकर बाबा का अभिषेक कर विश्व कल्याण की कामना की जाएगी।

एनएसयूआई ने छात्र मांग पत्र हेतु जारी किया पोस्टर

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ |
शाजापुर, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन शाजापुर द्वारा छात्रों से जुड़ी समस्या के समाधान के लिए रविवार को एबी रोड स्थित निजी गार्डन में छात्र संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्र मांग पत्र अभियान हेतु पोस्टर जारी किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में एनएसयूआई के राष्ट्रीय महा सचिव अंकुश भटनागर, पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामवीरसिंह सिकरवार, नरेश्वर प्रताप सिंह, जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष जयंतसिंह सिकरवार आदि मंचासीन थे। अतिथियों के द्वारा पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर विपुल दीक्षित, अंकित अंबावतिया, दीपक सलोकिया, मोहित महेश्वरी, नीतेश सोलंकी, ललित गोस्वामी, योगेंद्र वर्मा, राहुल गुर्जर आदि मौजूद थे।

सोन नदी में छंलांग लगाने वाले दीपक, आकाश का शव बरामद

तीन दिन बाद SDRF एवं बुढार पुलिस को मिली सफलता

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ ।
शहडोल, में सोन नदी में छंलांग लगाने वाले दो भाइयों का शव बरामद हो गया है। स्ङ्खक्रस्न व बुढार पुलिस की तलाश के दौरान आज घटनास्थल से कुछ दूरी पर दोनों की लाश मिली है। वहीं छाटा गांव में मातम पसरा हुआ है। दरअसल बुढार थाना क्षेत्र का रहने वाला 24 वर्षीय दीपक सिंह अपने 17 साल के चचेरे भाई आकाश 17 के साथ 9 जुलाई को बाइक में बुढार से अपने गांव जा रहा था। इसी बीच दोनो भाईयो में किसी बात को लेकर कहा सुनी होने लगी। रास्ते में जरवाही गांव के नजदीक जैसे ही वे पहुंचे, छोटे भाई ने बाइक रुकवाई और वहीं सोन नदी पुल से नीचे छलांग लगा दी। तभी बड़े भाई ने उसकी मदद के लिए नदी में छलांग लगा दिया। दोनों कुछ देर तक एक-दूसरे की मदद के लिए जद्दोजहद करते रहे लेकिन देखते ही देखते वे दोनों पानी में डूब गए। मामले की जानकारी मिलते ही बुढार पुलिस व स्ङ्खक्रस्न की 10 सदस्यीय टीम तलाश करती रही। तीन दिन तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान आज सुबह घटना स्थल से कुछ दूरी पर दोनों भाईयो का शव बरामद कर लिया गया है। दोनो भाई के शव मिलने से छांटा गांव में मातम पसरा हुआ है।

प्रशासनिक प्रतिक्रिया....

दो युवक जरवाही के समीप सोन नदी लापता हो गए थे। जिनकी लगातार तलाश की जा रही थी। इस दौरान आज दोनों का शव बरामद के लिया गया है। आगे की वैधानिक कार्यवाही की गई है।
संजय जायसवाल, थाना प्रभारी
थाना बुढ़ार, शहडोल

भूमाफिया ने कर दी एक लाख रिश्वत की पेशकश

पत्रकार पर जानलेवा हमला, मामले में बचा लो दोष सिद्ध न हो

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ ।
शहडोल, मध्यप्रदेश के यशश्वी मुख्यमंत्री के सख्त दिशानिर्देश प्रदेश के अंतिम छोर में कुछ इस कदर अपराधियों बढ़ा कद बताता है कि यहाँ पनपता हर अपराध प्रशासनिक शह पर और उसकी रहनुमाई में होता है, ऐसा हम नहीं कहते है शहर में चल रही जनचर्चाओ की हवा कह रही है जिसमे कहा यह भी जा रहा है पुलिस एक प्रतिष्ठित पत्रकार पर जानलेवा हुआ हमला मामले में सरगना तक पहुंच चुके पुलिस के लम्बे हाँथ ने बता दिया की हर अपराध की सजा तय है, लेकिन शहडोल के तथाकथित चिन्दी चोर अपराधियों ने इस धर पकड़ जाँच मामले से सरगना खुद को बचने की एक लाख रूपए की कीमत लगा दी है, इससे एक बात तो तय है सरगना पुराना भूमाफिया है जिसके पास अब इतनी दौलत हो गयी है की अब दो कौड़ी का चोर पुलिस की खाकी वर्दी की कीमत लगा रहा है।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा का माला व पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।
शाजापुर, प्रदेश के राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा आज शाजापुर जिले के भ्रमण के लिए शाजापुर विश्राम गृह में पहुंचे। विश्राम गृह पर विधायक श्री अरूण भीमावद, अपर कलेक्टर श्री बीएस सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी सुश्री मनीषा वास्कले सहित जनप्रतिनिधिगणों ने माला व पुष्प गुच्छ भेंट कर मंत्री श्री वर्मा का स्वागत किया।
उल्लेखनीय है कि मंत्री श्री वर्मा 12 अगस्त को प्रातः 11.00 बजे कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में राजस्व महाअभियान की समीक्षा करेंगे। इसके उपरांत वे स्थानीय कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के पश्चात रात्रि विश्राम करेंगे। मंत्री श्री वर्मा 13 अगस्त को प्रातः 10.00 बजे शाजापुर से आगर मालवा जिले के लिए प्रस्थान करेंगे।

पंचवर्षीय कार्य योजना के संबंध में बैठक संपन्न

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ ।
शहडोल, विधायक ब्योहारी शरद कोल की उपस्थिति में जनपद पंचायत ब्योहारी के सभागार में पंचवर्षीय कार्य योजना के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अध्यक्ष नगर पालिका ब्योहारी राजन गुप्ता, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नरेंद्र सिंह धुर्वे, श्रीमती प्रगति वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अशोक मरावी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैजाताल के तैरते रंगमंच पर बिखरे देशभक्ति और भारतीय संस्कृति के रंग

स्कूली बच्चों ने दीं एक से बढ़कर एक मनोहारी प्रस्तुतियाँ

ग्वालियर

बड़ी संख्या में मौजूद रसिक हुए मंत्रमुग्ध

संगीतधानी ग्वालियर के ऐतिहासिक बैजाताल का तैरता रंगमंच देशभक्ति एवं भारतीय संस्कृति में रचे-बसे लोकरंगों से सराबोर हो गया। मौका था हर घर तिरंगा अभियान के तहत रविवार की शाम सजी देशभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रमों की संध्या का । जिसमें शहर के लगभग 10 स्कूलों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार ने इस अवसर पर सभी को तिरंगा फहराने और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति सम्मान की भावना रखकर देश की प्रगति में योगदान देने की शपथ दिलाई। बैजाताल के रंगमंच पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की बालिकाओं ने हर घर तिरंगा एवं शास्त्रीय संगीत पर आधारित गीतों पर मनोहारी नृत्य प्रस्तुत कर समा बांध दिया। इसी क्रम में सीएम राईज स्कूल शासकीय पटेल उमावि के बच्चों ने सैनिकों की वेशभूषा में सज-धजकर देशभक्तिपूर्ण प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में मौजूद लोगों को रोमांचित कर दिया। इसी तरह किडीज कॉर्नर स्कूल के बच्चों ने देश पर कुर्बान मेरी जान, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उमावि मुरार व शासकीय उत्कृष्ट उमावि के बच्चों ने महिला सशक्तिकरण पर मनोहारी नृत्य की प्रस्तुति दी। कत्थक विद्या निकेतन के बच्चों द्वारा देशभक्तिपूर्ण गीत सिर पर हिमालय का ताज है की धुन पर नृत्य प्रस्तुत किया तो बड़ी संख्या में मौजूद रसिकों में देशभक्ति हिलोरे लेने लगी। सांस्कृतिक संध्या में पोतदार स्कूल शिवपुरी लिंक रोड़ के बच्चों द्वारा हर घर तिरंगा गीत पर प्रस्तुत नृत्य ने भी लोगों को भीतर तक रोमांचित कर दिया। इस अवसर पर अन्य स्कूल के बच्चों ने भी रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर अपर आयुक्त नगर निगम श्री मुनीष सिकरवार, जिला शिक्षा अधिकारी श्री अजय कटियार, डीपीसी श्री रविन्द्र सिंह तोमर, नगर निगम के अधिकारी श्री शिशिर श्रीवास्तव व सुश्री विजेता चौहान सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। सांस्कृतिक संध्या का बड़ी संख्या में शहरवासियों ने आनंद उठाया। कार्यक्रम का संचालन श्री निरंजन घुरैया ने किया।

सांसद श्री राहुल लोधी के मुख्यातिथ्य में किया गया पौधरोपण

विभिन्न कार्यों का हुआ लोकार्पण

छतरपुर

कलेक्टर ने ग्राम डिकोली और अनगौर का निरीक्षण किया

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर डॉक्टर अनुपस्थित मिलने पर नोटिस जारी करने के निर्देश

कलेक्टर श्री पार्थ जैसवाल ने रविवार को ग्राम डिकोली और अनगौर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तपस्या परिहार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। ग्राम डिकोली में सांसद राहुल लोधी के मुख्यातिथ्य में आयोजित एक पेड़ मां के नाम अभियान में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही सांसद श्री लोधी द्वारा जिला पंचायत अंतर्गत विभिन्न कार्यों का लोकार्पण किया गया। जहां जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती विद्या अग्निहोत्री सहित सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा पौधरोपण किया गया। साथ ही पौधों की देखभाल करने का संकल्प दिलाया गया। तदुपरांत कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अनगौर का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल में जरूरी दवाइयों और स्टॉफ की उपलब्धता की जानकारी। साथ ही डॉक्टरों को समय से ओपीडी में बैठने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा पूरा परिषद साफ स्वच्छ रहे। दो डॉक्टर के अनुपस्थित पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अनगौर के फ्रूट फॉरेस्ट स्थल का निरीक्षण पांच फीट की दूरी पर पौधे लगाने के निर्देश दिए। साथ ही पौधों के लिए पानी की व्यवस्था करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा बड़े आकर के पौधे रोपने तथा मजबूत तारफेंसिंग करने के निर्देश दिए।

राजस्व अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का त्वरित निराकरण करें

हरदा

कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने रविवार को आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक में निर्देश दिए की सभी एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार सी एम हेल्पलाइन के तहत दर्ज शिकायतों का त्वरित निराकरण करें। उन्होंने कहा कि राजस्व महा अभियान के तहत नक्शा सुधार, नामांतरण, सीमांकन, बटवारा और बटांकन जैसी कार्यवाही भी लगातार जारी रहे। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि राजस्व न्यायालय में कोई भी प्रकरण बिना दर्ज किया हुआ ना रहे। प्रत्येक प्रकरण आरसीएमएस पोर्टल के माध्यम से दर्ज होना चाहिए तथा प्रकरणों की राजस्व न्यायालय में सुनवाई की तिथि भी आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज होना चाहिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि राजस्व महा अभियान के तहत केवाईसी के मामले में सिराली तहसील ने अच्छा कार्य किया गया है, जो प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने कहा कि छात्रावासो में निवासरत छात्राओं की सुरक्षा व्यवस्था प्राथमिकता से देखें और वर्षा के दौरान पुल पुलियों पर कोई दुर्घटना न हो इसका भी विशेष ध्यान रखें।

अवैध रूप से बेची जा रही 28 किलोग्राम मछली जब्त

प्रजनन काल होने से जिले में मछली के क्रय-विक्रय व परिवहन पर लगा है प्रतिबंध

ग्वालियर जिले में मत्स्याखेट एवं मछली के अवैध विक्रय व परिवहन को रोकने के लिये मत्स्य विभाग की टीम द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इस कड़ी में धोबी घाट मुरार क्षेत्र में विभाग की टीम ने अवैध रूप से बेची जा रही 28 किलोग्राम मछलियां जब्त की हैं, जिसकी नीलामी से नकद आय प्राप्त हुई अवैध रूप से मछली बेच रहे लोगों के खिलाफ मत्स्योद्योग अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। कार्रवाई के लिये गई टीम में सहायक मत्स्योद्योग अधिकारी श्री राजेन्द्र सिंह व सुश्री स्मिता मिश्रा शामिल थे। ज्ञात हो मत्स्योद्योग अधिनियम व नियमों के प्रावधानों तहत संपूर्ण मध्यप्रदेश में हर साल 16 जून से 15 अगस्त तक बंद ऋतुकाल रहता है। इस अवधि में मछलियों द्वारा प्रजनन कर अपनी वंश वृद्धि की जाती है। इस अवधि में मत्स्याखेट, मछली के परिवहन, क्रय व विक्रय करना संज्ञेय अपराध है।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत ऑटो रैली सम्पन्न

हरदा

कलेक्टर श्री आदित्य सिंह के मार्गदर्शन में 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत हरदा जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को हर घर तिरंगा अभियान के प्रति नागरिकों को जागरूक करने के लिये 'ऑटो रैली आयोजित की गई। रैली को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रोहित सिसोनिया ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर हरदा एस डी एम श्री कुमार शानु देवड़िया, जिला परिवहन अधिकारी श्री राकेश अहाके सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। ऑटो रैली कृषि उपज मंडी से प्रारम्भ होकर कलेक्टर चौराहा, नेहरू स्टेडियम, नारायण टॉकीज, रेलवे स्टेशन होते हुए वापस कृषि उपज मण्डी में आकर सम्पन्न हुई।

हाईवे पर चैकिंग प्वॉइंट लगाकर वाहनों से लिए खाद्य पदार्थों के नमूने

ग्वालियर

मोबाइल फूड लैब से की नमूनों की जांच

राज्य खाद्य प्रयोगशाला में भी कराई जायेगी नमूनों की जाँच

खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिये जिले में चलाई जा रही विशेष मुहिम के तहत रविवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर विभिन्न स्थानों पर चैकिंग प्वॉइंट लगाकर खाद्य पदार्थ लेकर जा रहे वाहनों की जाँच की। इस दौरान मोबाइल फूड लैब के जरिए वाहनों से दूध व अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जाँच की। साथ ही डबरा कस्बे में एवं राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित विभिन्न फर्मों व ढाबों से खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा झांसी-डबरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर डबरा पुल एवं आगरा-मुम्बई राष्ट्रीय राजमार्ग पर बरई-पनिहार के समीप चैकिंग प्वॉइंट लगाकर मोबाइल फूड लैब के जरिए खाद्य पदार्थों की जाँच की गई। बरई-पनिहार चैकिंग प्वॉइंट पर मोबाइल फूड लैब से की गई जाँच में मुडियाखेरा मुरैना के रनवीर सिंह, घाटीगाँव के सुनील सिंह गुर्जर, बंजारा खिड़क के लायकराम व गोल पहाड़िया के एदल सिंह गुर्जर द्वारा ले जाए जा रहे दूध के नमूनों में फैट व एसएनएफ की कमी पाई गई। इन सभी के नमूने राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल में जाँच के लिये भी भेजे गए हैं। रविवार को खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने डबरा में सुभाषगंज स्थित महावीर डेयरी व जवाहरगंज स्थित श्रीराम डेयरी से दूध के नमूने जांच के लिए प्राप्त किए। इसी तरह ग्वालियर-डबरा रोड़ पर स्थित शेर-ए-पंजाब ढाबा से पनीर व रिफाइंड-सोयाबीन तेल के नमूने खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने लिए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तिरंगा यात्रा की बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

मंडला

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को हवाई पट्टी ग्वारा में तिरंगा यात्रा की बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आयोजित बाइक रैली में युवाओं ने विजय विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत युवाओं की तिरंगा यात्रा की बाइक रैली का ग्वारा से ठरका, सतबहनी होते हुए नगर परिषद बम्हनी बंजर में आगमन हुआ। तिरंगा यात्रा की बाइक रैली में एक हजार से अधिक युवा भारत माता की जय जयकार के साथ तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। तिरंगा यात्रा के दौरान लोगों में गजब का उत्साह था। भारत माता की जय ,अमर बलिदानियो व वीर सपूतों के लिए किए जा रहे जय जयकार से बाइक रैली गुंजायमान हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री श्रीमती संपतिया उईके और सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने नगर परिषद बम्हनी बंजर पहुंचकर रथ में सवार होकर शहर में तिरंगा यात्रा निकाली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हाथ हिलाकर नागरिकों का अभिवादन किया। नगर परिषद बम्हनी बंजर की जनता ने मुख्यमंत्री के अभिवादन को स्वीकार किया। इस अवसर पर नागरिकों ने घरों की छतों मेढ़ों और द्वार पर खड़े होकर मुख्यमंत्री जी का स्वागत किया। फूल मालाओं की वर्षा की गई। बैंड बाजे लोक गीत और लोक नृत्य के माध्यम से स्वागत किया गया। जय जय कार के नारे लगाए गए। बहनों, भाईयों, बुजुर्गों और युवाओं ने मुख्यमंत्री जी का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री भीष्म द्विवेदी, जिला भाजपा महामंत्री श्री नीरज मरकाम, नगर पालिका मंडला अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, नगर परिषद बम्हनी बंजर अध्यक्ष श्रीमती मीना हरदहा, सांसद प्रतिनिधि श्री जयदत्त झा, भाजपा मीडिया प्रभारी श्री सुधीर कसार, कमिश्नर श्री अभय वर्मा, आईजी श्री संजय कुमार, कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना, पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमित वर्मा, संयुक्त कलेक्टर श्री ऋषभ जैन सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

इंदौर में मूर्ति निर्माण के संबंध में राष्ट्रीय हरित अधिकरण और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन कराया जाएगा

इंदौर में मूर्ति निर्माण करने वाले मूर्तिकारों की बैठक संपन्न।

इंदौर *मूर्ति निर्माण से होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के संबंध में राष्ट्रीय हरित अधिकरण और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशों का इंदौर में कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। इस संबंध में जारी दिशा-निर्देशों और प्रावधानों की जानकारी देने के लिए आज यहां कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर मूर्तिकारों और संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में मूर्तिकारों से कहा गया कि वे प्रदूषण की रोकथाम के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें। बैठक में एडीएम श्री रोशन राय ने दिशा-निर्देशों की जानकारी दी और उन्होंने निर्देशित किया कि मूर्ति के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाये। बैठक में बताया गया कि भगवान गणेश व माताजी मूर्तियों के निर्माण में केवल उन्हीं प्राकृतिक सामग्रियों का ही इस्तेमाल किया जाये, जैसाकि पुराने धर्मग्रन्थों में उल्लेखित है। मूर्तियों के निर्माण में परंपरागत मिट्टी का ही उपयोग किया जाये, पकी हुई मिट्टी, पी0ओ0 पी0 (प्लास्टर ऑफ पेरिस) या किसी प्रकार के केमिकल व रासायनिक वस्तुओं का उपयोग मूर्ति निर्माण में किया जाना प्रतिबंधित रहेगा । उपस्थित मूर्तिकारों को मूर्ति निर्माण में पी0ओ0पी0 के विकल्प के रूप में अन्य प्राकृतिक सामग्री जैसे पेपर आदि के इस्तेमाल की सलाह दी गई ताकि पर्यावरण को होने वाले नुकसान की रोकथाम की जा सके। मूर्ति पर कलर हेतु केवल प्राकृतिक रंगों व गैर विषाक्त रंगों का इस्तेमाल किया जायेगा । किसी भी प्रकार के रासायनिक व विषाक्त रंगों का इस्तेमाल पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा ।जिले में केवल परंपरागत् मिट्टी से निर्मित प्रतिमाओं का ही उत्पादन व विक्रय किया जा सकेगा । परंपरागत मिट्टी छोड़कर अन्य पदार्थ जैसे पीओपी व अन्य रासायनिक पदार्थों से बनाई जानी वाली प्रतिमाओं के उत्पादन तथा विक्रय, बाहर ले जाने या बाहर से लाने को प्रतिबंधित किया गया है । यदि कहीं मूर्तिकारों द्वारा पूर्व में मूर्तियां निर्मित कर ली गई हो तो, परंपरागत मिट्टी छोड़कर अन्य पदार्थ जैसे पीओपी व अन्य रासायनिक पदार्थों से पूर्व से निर्मित कर ली गई प्रतिमाओं के वर्तमान स्टॉक की जानकारी लिखित में प्रस्तुत कर दें तथा उनके अतिरिक्त,इस प्रकार की नई प्रतिमाओं के निर्माण को प्रतिबंधित किया गया है। स्थानीय निकाय द्वारा इस संबंध में सत्यापन किया जायेगा । नगर निगम स्थानीय निकायों द्वारा स्थानीय स्तर पर मूर्ति विसर्जन हेतु पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित स्थलों को डेजिगनेट कर नोटिफाई करेगा।*

बाइडेन से की खास अपील

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के खिलाफ अमेरिका में प्रदर्शन

वाशिंगटन। अमेरिका में बांग्लादेश में इस्लामी चरमपंथियों द्वारा हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाकर किए गए जघन्य कृत्यों के खिलाफ प्रदर्शन के लिए 300 से अधिक भारतीय-अमेरिकी और बांग्लादेशी मूल के हिंदू रविवार सुबह ह्यूस्टन के शुगर लैंड सिटी हॉल में एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन से अपील की कि वह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार को रोकने और कमजोर समुदायों की रक्षा करने के लिए तत्काल एवं निर्णायक कदम उठाएं। हिंदू समुदायों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं में हालिया वृद्धि क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए एक गंभीर खतरा बन गई है। प्रदर्शन के आयोजकों ने बांग्लादेश में सभी धार्मिक अल्पसंख्यकों की तत्काल सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की और बाइडन प्रशासन से आग्रह किया कि वह मानवता के खिलाफ हो रहे इन जघन्य अपराधों के दौरान मूकदर्शक न बना रहे। आयोजकों ने बांग्लादेशी हिंदुओं को सतर्क रहने, ताजा स्थिति पर नजर रखने और किसी भी आपात स्थिति में मिलकर आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। 'बांग्लादेश में हिंदुओं को बचाओ प्रदर्शन का आयोजन 'ग्लोबल वॉयस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज ने किया।

यह ह्यूस्टन के प्रमुख हिंदू समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाला प्रमुख संगठन है, जिसमें मैत्री, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ऑफ अमेरिका, हिंदूएक्शन, हिंदूपैक्ट, ह्यूस्टन दुर्गाबाड़ी सोसाइटी, इस्कॉन, ग्लोबल कश्मीरी पंडित डायस्पोरा और कई अन्य समूह शामिल हैं। विहिप ऑफ अमेरिका और हिंदू एक्शन का प्रतिनिधित्व करने वाले वक्ताओं में से एक अचलेश अमर ने भीड़ को संबोधित करते हुए कहा, ''हम हिंदू समुदाय पर उनकी बहुलवादी आस्था के लिए किए गए हमले की कड़ी निंदा करते हैं।

हम बांग्लादेश में अपने भाइयों और बहनों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। हम बांग्लादेश सरकार से अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने और हर धर्म के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने की मांग करते हैं।

लोकप्रियता मामले में प्रमुख प्रांतों में कमला हैरिस को बढ़त

वाशिंगटन। अमेरिका की उपराष्ट्रपति एवं राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस ने कई प्रमुख चुनावी प्रांतों में लोकप्रियता में बढ़त हासिल कर ली है। चुनाव प्रचार के लिए चंदा एकत्र करने का भारतीय अमेरिकी हैरिस (59) का अभियान जारी है। उनकी रैलियों में रिकॉर्ड भीड़ देखने को मिल रही है। हैरिस ने सैन फ्रांसिस्को में चंदा जुटाने के एक कार्यक्रम में कहा, ''हम यह चुनाव जीतेंगे। उन्होंने इस कार्यक्रम में 1.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर का चंदा जुटाया जिसमें कई भारतीय अमेरिकियों सहित लगभग 700 दानदाताओं ने भाग लिया। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन के चुनावी दौड़ से बाहर होने के फैसले के बाद राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार बनने के एक महीने से भी कम समय में हैरिस ने लोकप्रियता के मामले में अपने प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रीय स्तर पर बढ़त को लगभग समाप्त कर दिया है।

सभी प्रमुख राष्ट्रीय और राय सर्वेक्षणों की निगरानी करने वाली मीडिया कंपनी 'रियल क्लियर पॉलिटिक्स के अनुसार, लोकप्रियता रेटिंग में हैरिस अब सभी राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के औसत में ट्रंप से 0.5 प्रतिशत अंक आगे हैं। इसके अनुसार, हैरिस ने लोकप्रियता के मामले में विस्कॉन्सिन और मिशिगन जैसे महत्वपूर्ण प्रांतों में भी बढ़त बना ली है जहां पहले बाइडन पीछे थे।

'न्यूयॉर्क टाइम्स के ताजा सर्वेक्षण में कहा गया कि पेंसिल्वेनिया, विस्कॉन्सिन और मिशिगन में हैरिस चार प्रतिशत अंकों से आगे हैं।

इंजीनियरिंग स्टूडेंट के साथ चलती कार में दुष्कर्मअर्धनग्न कर सड़क पर फेंका आरोपी गिरफ्तार

नेशनल डेस्क- उत्तर प्रदेश के आगरा शहर में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक इंजीनियरिंग की छात्रा को किडनैप कर चलती कार में दुष्कर्म किया गया। घटना 10 अगस्त को हुई, जब पीड़िता अपने कॉलेज के क्षेत्र में थी। आरोपी, जो पीड़िता का सीनियर और जानकार है, ने उसे जबरन अपनी कार में खींच लिया और सुनसान इलाके में ले जाकर उसके साथ मारपीट की और दुष्कर्म किया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पीड़िता ने पुलिस को अपने बयान में बताया कि आरोपी शिवांश ने उसे कारगिल चौरा के पास से पकड़ा और सुनसान जगह पर ले जाकर उसके हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद उसने उसकी मारपीट की और कपड़े फाड़ दिए। दुष्कर्म के बाद, शिवांश ने पीड़िता को अर्धनग्न हालत में सड़क पर फेंक दिया और फरार हो गया। गंभीर स्थिति में बेहोशी की हालत में सड़क पर पड़ी पीड़िता को लोगों ने देखा और पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे अस्पताल भेजा और मेडिकल जांच करवाई, जिसमें दुष्कर्म की पुष्टि हुई।

पीड़िता के बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की

लोकेशन जम्मू में मिली है और पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए गहन जांच-पड़ताल कर रही है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता इस घटना के बाद मानसिक तनाव में चली गई है और उसने आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग की है। उसने अपनी शिकायत में कहा है कि इस घटना ने उसकी जिंदगी को बुरी तरह प्रभावित किया है और वह अब जीने की इच्छा खो चुकी है। थाना प्रभारी नीरज शर्मा ने पुष्टि की है कि आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और उसे न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

100 से अधिक मौतों के बावजूद बांग्लादेश में हिंदू नहीं छोड़ रहे मातृभूमि

नेशनल डेस्क। बांग्लादेश में हालिया तख्तापलट के बाद अल्पसंख्यक समुदाय, खासकर हिंदुओं, के खिलाफ हिंसा और अत्याचार की घटनाएं बढ़ गई हैं। 5 अगस्त 2024 के बाद से बांग्लादेश में 232 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, और 52 जिलों में 205 से अधिक हिंसा की घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन घटनाओं में अधिकांश हिंदू समुदाय को निशाना बनाया गया है। इस स्थिति ने बांग्लादेश और अन्य देशों में व्यापक विरोध को जन्म दिया है।

बांग्लादेश के हिंदू समुदाय और अन्य अल्पसंख्यक समूहों ने हालात के खिलाफ आवाज उठाई है। हजारों की संख्या में हिंदू नागरिक सड़कों पर उतर आए हैं और शांति की मांग कर रहे हैं। उनके द्वारा आयोजित रैलियों में बांग्लादेशी हिंदू समाज की रक्षा करो और जय श्री राम जैसे नारे सुनाई दे रहे हैं। प्रदर्शनकारी अपने मंदिरों के तोड़े जाने और लड़कियों के खिलाफ अत्याचार के खिलाफ गुस्से का इजहार कर रहे हैं।

मोहम्मद युनूस ने की शांति की अपील

नोबल शांति पुरस्कार विजेता मोहम्मद युनूस ने बांग्लादेश के विश्वविद्यालयों के छात्रों से शांति की अपील की है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक और हिंदू भी बांग्लादेश के नागरिक हैं और उनकी सुरक्षा हमारे सभी का कर्तव्य है। युनूस ने छात्रों से आग्रह किया कि वे इस संकट के समय में एकजुट होकर शांति बनाए रखें और अपने भाइयों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

अमेरिका में दिखा विरोध प्रदर्शन

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की खबरों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी प्रभावित किया है। अमेरिका में, हस्टन के शुगर लैंड सिटी हॉल में रविवार को लगभग 300 लोगों की भीड़ ने प्रदर्शन किया। इसमें भारतीय और बांग्लादेशी मूल के अमेरिकी नागरिक शामिल थे। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी सरकार से बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। वे चाहते हैं कि अमेरिकी सरकार बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा को रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई करे।

पाकिस्तान के जैवलिन थ्रोअर अरशद नदीम को भैंस गिफ्ट करेंगे उनके ससुर

नीरज चोपड़ा को ओलंपिक में हराकर गोल्ड जीतने का इनाम

कराची: पाकिस्तान भले ही अपने भाला फेंक ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अरशद नदीम को नकद पुरस्कारों और अन्य बहुमूल्य पुरस्कारों से नवाज रहा हो, लेकिन उनके ससुर ने ग्रामीण परवरिश और परंपरा के साथ मेल खाते हुए उन्हें भैंस उपहार में देने का फैसला किया है।

मोहम्मद नवाज ने रविवार को नदीम के गांव में स्थानीय मीडिया को बताया कि उनके गांव में भैंस उपहार में देना 'बहुत मूल्यवान और 'सम्मानजनक माना जाता है। नदीम ने पेरिस में भाला फेंक स्पर्धा में 92.97 मीटर के ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता जिसमें भारत के नीरज चोपड़ा दूसरे स्थान पर रहे।

नवाज ने कहा, ''नदीम को अपनी जड़ों पर बहुत गर्व है और सफलता के बावजूद, उनका घर अब भी उनका गांव है और वह अब भी अपने माता-पिता और भाइयों के साथ रहते हैं। उनके ससुर ने बताया कि उनके चार बेटे और

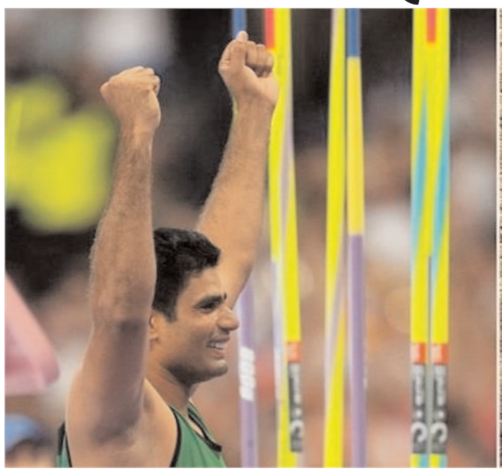

तीन बेटियां हैं और उनकी सबसे छोटी बेटी आयशा की शादी नदीम से हुई है।

नवाज ने कहा, ''जब हमने छह साल पहले अपनी बेटी की शादी नदीम से करने का फैसला किया तो उस समय वह छोटी मोटी नौकरियां करता था। लेकिन अपने खेल के प्रति बेहद जुनूनी था और घर व खेतों में लगातार भाला फेंकने का अभ्यास करता था।

बांग्लादेश: हिंसा का शिकार बनीं ट्रेनें, आज से फिर बहाल होंगी रेल सेवाएं

इंटरनेशनल डेस्क: बांग्लादेश रेलवे तीन सप्ताह से अधिक समय के बाद सोमवार से परिचालन फिर से शुरू करने के लिए तैयार है।

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है।

'डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, मालगाड़ी का संचालन सोमवार को फिर से शुरू होगा, जबकि मेल, एक्सप्रेस, लोकल और कम्यूटर ट्रेनों की सेवाएं मंगलवार से शुरू होंगी जबकि इंटरसिटी ट्रेनें 15 अगस्त से शुरू होंगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंटरसिटी ट्रेनों के टिकट सोमवार शाम 5 बजे से ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। हालांकि, परबत एक्सप्रेस और जमालपुर एक्सप्रेस का संचालन निलंबित रहेगा, बंगलादेश रेलवे के निदेशक (जनसंपर्क) नाहिद हसन खान ने रविवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में घोषणा की।

आरक्षण सुधार आंदोलन के आसपास केंद्रित राष्ट्रव्यापी हिंसा के कारण 18 जुलाई से यात्री ट्रेन परिचालन निलंबित कर दिया गया था।

मीडिया टायकून जिम्मी लाई सहित हांगकांग के 7 प्रमुख कार्यकर्ता अपनी सजा खिलाफ अंतिम अपील हारे

इंटरनेशनल डेस्क: हांगकांग के प्रमुख लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं में से सात कार्यकर्ता 2019 में सरकार विरोधी प्रदर्शनों में से एक में अपनी भूमिका को लेकर सोमवार को शहर की शीर्ष अदालत में अपनी सजा को पलटने की अंतिम अपील हार गए। अब बंद हो चुके अखबार 'एप्पल डेली के संस्थापक जिम्मी लाई, शहर की डेमोक्रेटिक पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष मार्टिन ली और लोकतंत्र समर्थक पांच पूर्व सांसद एक अवैध सभा आयोजित करने और उसमें भाग लेने के लिए 2021 में दोषी पाए गए थे। पिछले साल इन प्रमुख लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं ने निचली अदालत में अपनी अपील आंशिक रूप से जीत ली थी और अनधिकृत सभा आयोजित करने के आरोप में उनकी सजा रद्द कर दी गयी थी लेकिन सभा में भाग लेने के लिए उनकी सजा बरकरार रखी गयी थी और वे इसके खिलाफ शहर की शीर्ष अदालत में लड़ाई लड़ रहे थे। सोमवार को अंतिम अपीलीय अदालत के न्यायाधीशों ने उनकी अपील रद्द करते हुए सजा बरकरार रखी। यह मामला अगस्त 2019 में एक रैली में उनके भाग लेने से जुड़ा है जिसमें अनुमानित 17 लाख लोग पुलिस प्रणाली में सुधारों और लोकतंत्र का आह्वान करने के लिए हांगकांग की सड़कों पर उतरे थे।

यह रैली अन्य विरोध प्रदर्शनों की तुलना में शांतिपूर्ण थी। इन सात कार्यकर्ताओं को 2021 में सजा सुनाते समय डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के एक न्यायाधीश ने कहा था कि ऐसी आजादी का अधिकार नहीं है और यह संविधान के तहत पाबंदियों के अंतर्गत आता है। पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश हांगकांग को 1997 में चीन को वापस दे दिया गया। इसका लघु-संविधान ही इसका मूल कानून है और यह इसके लोगों को एकत्र होने की स्वतंत्रता की गारंटी देता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569